वर्ष : 18 अंक: 122 | ग्वालियर | मंगलवार 03 जून 2025 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

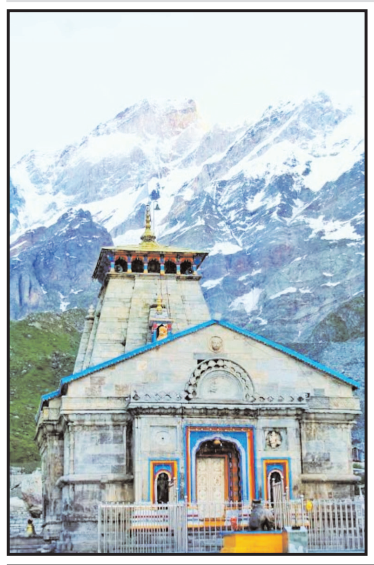

दैनिक
मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित

चम्बल सुर्खी

उत्कृष्ट एवं सफल प्रकाशन के 37 वर्ष
निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का प्रवक्ता

आज का तापमान
अधिकतम 31 डिग्री
न्यूनतम 24 डिग्री

पीएम मोदी ने पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस से मुलाकात की

पीएम मोदी ने कहाः भारत और पैराग्वे ग्लोबल साउथ का अभिन्न अंग

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस से मुलाकात की. इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और पैराग्वे कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं. साइबर अपराध, संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी आम चुनौतियों से लड़ने के लिए सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।

पीएम मोदी ने कहा, भारत और पैराग्वे ग्लोबल साउथ का अभिन्न अंग हैं. हमारी आशाएं, आकांक्षाएं और चुनौतियां समान हैं, इसलिए हम एक-दूसरे के अनुभवों से सीखकर इन चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपट सकते हैं. हमें संतोष है कि कोविड महामारी के दौरान हम भारत में बनी वैक्सीन को पैराग्वे के लोगों के साथ साझा कर पाए।

इससे पहले उन्होंने राष्ट्रपति पालासिओस ने राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की. यह यात्रा उनकी तीन दिवसीय भारत यात्रा का हिस्सा है, जो 4 जून को समाप्त होगी।

विदेश मंत्रालय ने एक्स पर इस पल को साझा करते हुए कहा, शांति और अहिंसा के मूल्यों का सम्मान करते हुए. पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस ने आज राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी. राष्ट्रपति पालासिओस भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे और पालम एयरफोर्स स्टेशन पर गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका औपचारिक स्वागत किया गया।राष्ट्रपति का राज्य मंत्री हर्षवर्धन मल्होत्रा ने गर्मजोशी से स्वागत किया, जिससे दोनों देशों के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों पर प्रकाश डाला गया. विदेश मंत्रालय के रणधीर जैसवाल ने एक ताजा जानकारी देते हुए बताया कि पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस का भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचने पर स्वागत किया।

चुनाव आयोग ने तमिलनाडु और असम की आठ राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव की अधिसूचना जारी की

नई दिल्ली,ए.। भारत के चुनाव आयोग ने सोमवार को तमिलनाडु और असम की आठ राज्यसभा सीटों के लिए आगामी चुनावों की अधिसूचना जारी कर दी. अधिसूचना जारी होने के बाद तमिलनाडु और असम से उच्च सदन की इन आठ सीटों के लिए नामांकन दाखिल करना शुरू हो गया.राज्यसभा की आठ सीटों में से छह तमिलनाडु और दो असम से हैं. भारत के चुनाव आयोग ने राज्यसभा की इन सीटों के लिए चुनाव की घोषणा की है क्योंकि मौजूदा सदस्य इसी महीने और जुलाई में रिटायर हो जाएंगे. असम में 14 जून को रंजन दास और बीरेंद्र प्रसाद वैश्य राज्यसभा सांसद के तौर पर रिटायर होंगे. तमिलनाडु में अंबुमणि रामदास, एम षणमुगम, एन चंद्रशेखरन, एम मोहम्मद अब्दुल्ला, पी विल्सन और वाइको 24 जुलाई को रिटायर होंगे।

यूपीः नए डीजीपी का एलान, पुलिस में जल्द होंगी 20 हजार नई भर्तियां

लखनऊ,एजेंसी। डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि पुलिस फोर्स को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में दक्ष बनाया जाएगा। जल्द शुरू होने वाली 60244 सिपाहियों की ट्रेनिंग में एआई को शामिल किया जाएगा, ताकि वे नई चुनौतियों से निपट सकें। महिलाओं को सुरक्षा और संरक्षा देकर उन्हें सशक्त बनाने का पूरा प्रयास होगा। वे सोमवार को पुलिस मुख्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश की जनसुनवाई प्रणाली (आईजीआरएस) को देश में सबसे अच्छा बताते हुए कहा कि इसका बेहतर उपयोग सुनिश्चित कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। बीते 8 साल में पुलिस की दिशा और दशा सराहनीय रही है। अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करते हुए आम नागरिकों को सुरक्षित माहौल देना मेरी प्राथमिकता रहेगी। महिला अपराध की रोकथाम के साथ समाधान पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। हर कीमत पर कानून के राज को बनाए रखा जाएगा। कहा, कोरोना महामारी के बाद साइबर क्राइम बड़ा खतरा बनकर उभरा है। इसके मामले तेजी से बढ़े हैं। इस पर प्रभावी लगाम लगाई जाएगी।

IPL फाइनल आज, क्लोजिंग सेरेमनी की थीम ऑपरेशन सिंदूरः स्टेडियम की क्षमता 1.32 लाख, 80 हजार टिकट ऑनलाइन बिकीं; फ्लाइट्स का किराया 25 हजार पहुंचा

अहमदाबाद,ए.।

ढ्ढक्करु का फाइनल मंगलवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। फाइनल की क्लोजिंग सेरेमनी की थीम ऑपरेशन सिंदूर होगी। कार्यक्रम में तीनों सेनाओं के प्रमुखों को इनवाइट किया गया है। हालांकि, अब तक इनके ऑफिस से सेरेमनी शामिल होने की पुष्टि नहीं हुई है। पूरे स्टेडियम को तिरंगे रंग की लाइट से सजाया जाएगा और इस दौरान सिंगर शंकर महादेवन का लाइव कॉन्सर्ट होगा। उधर, सोमवार को दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई और चंडीगढ़ से अहमदाबाद आने वाली फ्लाइट्स का किराया 25 हजार तक पहुंच गया है। सामान्य दिनों में यह किराया 3500 से 5000 तक रहता है। इसी तरह, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 80 हजार टिकट बिक चुके हैं। अहमदाबाद स्टेडियम में दर्शकों की क्षमता 1.32 लाख है। 25,000 सीटें रिजर्व रखी गई हैं

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बना लूट का अड्डा

डी ई ओ के संरक्षण में चल रहा वसूलीः विधायक पंकज उपाध्याय

मुरैना,कांस। विधायक पंकज उपाध्याय ने मुरैना जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय शिक्षा के कार्य को छोड़कर सारे कार्य कर रहा है लगातार शिक्षकों की पलकों की आमजन की शिकायतें मिल रही है कि जिला शिक्षा कार्यालय व्यापक भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है विधायक ने आरोप लगाते हुए कहा कि कई कर्मचारी नेताओं एवं शिक्षकों ने मुझे जाकर बताया कि कर्मचारियों को अगर जी पी एफ से अपनी जरूरत पर जैसे लड़की की शादी हो या घर में कोई बीमार होने पर पैसे निकालने हो तो डीईओ ऑफिस में बिना रिश्वत दिए नहीं निकाला जा सकता है। अभी शिक्षको की क्रमोन्नति लग रही है जिसमें किसी भी शिक्षक की क्रमोन्नति डी ई ओ ओफिस में बिना रिश्वत दिए नहीं लगी है। शिक्षको के सेवानिवृत्त होने पर उनके वाजिब हक विना रिश्वत दिए प्राप्त नहीं किए जा सकते हैं।

किसी भी कर्मचारी का पेंशन प्रकरण डी ई ओ ओफिस में बिना रिश्वत दिए हल नहीं होता है। अनुकंपा नियुक्ति की खुली रेट है 50000 साथ ही प्राइवेट स्कूलों की अनुमति पर प्रत्येक स्कूल से 15 से 20000 की वसूली अनुमति देने के लिए ली जा रही है।

भारत बना दुनिया का सबसे बड़ा लोकोमोटिव निर्माता, रेल कार्गो में दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली,एजेंसी। 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारतीय रेलवे अपने प्रयासों को तेज कर रहा है. नेशनल ट्रांसपोर्टर कई मोर्चों पर आगे बढ़ रहा है. इनमें रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास और नई ट्रेनें शुरू करने से लेकर बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, नई लाइन निर्माण और दोहरीकरण परियोजनाओं के माध्यम से रेल नेटवर्क का विस्तार करना शामिल है। इसके अलावा रेल मंत्रालय भारत को दुनिया के अग्रणी रेलवे निर्यातकों में स्थान दिलाने के लिए मिशन मोड में काम कर रहा है. इस बीच भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकोमोटिव निर्माता बनकर उभरा है. 30 मई को सीआईआई के एक इवेंट में बोलते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि देश ने पिछले साल 1,600 लोकोमोटिव का प्रोडक्शन किया - जो वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक उत्पादन का आंकड़ा है। इस संबंध में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, हम पिछले साल 1600 लोकोमोटिव का उत्पादन करके दुनिया के सबसे बड़े लोकोमोटिव निर्माता बन गए हैं, जो अमेरिका, यूरोप और जापान के संयुक्त उत्पादन से भी अधिक है. हम दुनिया के सबसे आधुनिक लोकोमोटिव का उत्पादन करने के लिए नई तकनीकें भी ला रहे हैं. भारत अब रेलवे कार्गो-वहन क्षमता में विश्व स्तर पर दूसरे स्थान पर है. माल ढुलाई दक्षता को और बढ़ाने के लिए, देश सक्रिय रूप से अपने समर्पित माल गलियारों का विकास कर रहा है, जिसका उद्देश्य यात्री ट्रेन संचालन को प्रभावित किए बिना माल गाड़ियों की सुचारू, निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करना है। रेल मंत्री ने कहा, हमने पिछले 10 साल में प्रमुख मील के पत्थर हासिल किए हैं और अब 1,612 मीट्रिक टन माल ढुलाई क्षमता के साथ रूस और अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा माल ढुलाई रेलवे है. उन्होंने यह भी कहा कि इससे सड़कों पर दबाव और सीओ2 उत्सर्जन में 95 प्रतिशत की कमी आती है और तेल आयात में बचत होती है। राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर ने अगले तीन वर्षों में सभी पुराने कोचों को नए कोचों से बदलने का भी लक्ष्य रखा है. वैष्णव ने कहा, पिछले 10 साल में हमने 41,000 एलएचबी कोच बनाए हैं और अगले तीन साल में हम पूरे रेल नेटवर्क में सभी पुराने कोचों को नए कोचों से बदल देंगे।

डी.सी. सागर बने मध्यप्रदेश के विशेष पुलिस महानिदेशक

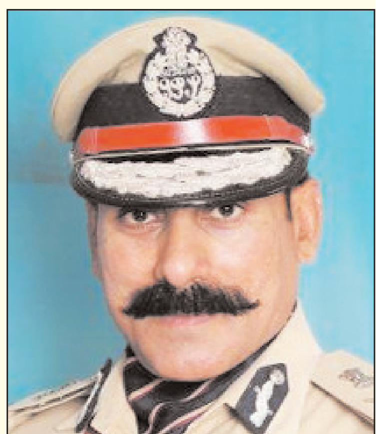

भोपाल,ब्यूरो। राज्य शासन ने एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 1992 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी श्री डी.सी. सागर को विशेष पुलिस महानिदेशक (Special DGP), प्रशिक्षण एवं मानव अधिकार, पुलिस मुख्यालय, भोपाल के पद पर पदस्थ किया है। वे वर्तमान में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण एवं मानव अधिकार, पुलिस मुख्यालय, भोपाल के पद पर कार्यरत थे। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह नियुक्ति मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2007 के संशोधित वेतन नियमों के तहत की गई है। श्री सागर को वेतन मैट्रिक्स स्तर-16 (?205400-224400) में पदोन्नति प्रदान की गई है। यह आदेश 1 जून 2025 से प्रभावशील होगा। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को कार्यभार ग्रहण कराने तथा प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप समस्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सिक्किम में मिलिट्री कैंप पर लैंडस्लाइड, 3 जवानों की मौतः 6 लापता

नई दिल्ली/इंफाल/भोपाल,ए. ।

सिक्किम में रविवार शाम 7 बजे एक मिलिट्री कैंप भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड की चपेट में आ गया। इसमें 3 जवानों की मौत हो गई, जिनके शव बरामद हुए हैं। चार लोगों को मलबे से जिंदा निकाला गया है। उन्हें मामूली चोटें आई हैं। छह जवान अभी लापता हैं। सर्च ऑपरेशन जारी है

सेना ने सोमवार को घटना की जानकारी दी और बताया कि जिन जवानों के शव मिले हैं, उनकी पहचान हवलदार लखबिंदर सिंह, लांस नायक मनीष ठाकुर और पोर्टर अभिषेक लखाड़ा के रूप में हुई है। दूसरी तरफ, सिक्किम के लाचेन और लाचुंग में 30 मई से फंसे एक हजार से ज्यादा टूरिस्टों को भी आज रेस्क्यू किया गया।

पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश-बाढ़ से अब तक 37 की जान गई

सिक्किम सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में पिछले 4 दिनों से भारी बारिश हो रही है। बारिश के कारण बाढ़ और लैंडस्लाइड की घटनाओं में अब तक 37 लोगों की जान गई है। इसमें असम में 10, अरुणाचल प्रदेश में 9, मिजोरम में 5 और मेघालय में 6 मौतें शामिल हैं। सिक्किम में अक्टूबर, 2023 को बादल फटने के बाद तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। कम से कम 98 लोग लापता हो गए थे, जिसमें सेना के 22 जवान शामिल थे। इनका कुछ पता नहीं चल पाया था।

जेपी नड्डा सोलन में तिरंगा यात्रा में हुए शामिल

सोलन,ए.।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा आज दोपहर बाद हिमाचल प्रदेश के सोलन पहुंचे। नड्डा यहां पर मॉल रोड पर निकाली बीजेपी की तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। इसमें खूब भीड़ उमड़ी। नड्डा ने खुली जीप में सवार होकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद इंडियन आर्मी ने जिस तरह की जवाबी कार्रवाई की और शौर्य दिखाया है, उसे गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए बीजेपी ने चारों संसदीय क्षेत्रों के अलावा 17 ब्लॉक स्तर पर भी तिरंगा यात्रा निकाली है। इसी क्रम में आज सोलन में भी यह यात्रा निकाली गई। सोलन में कोर ग्रुप मीटिंग ली तिरंगा यात्रा के बाद सोलन में ही भाजपा की कोर ग्रुप की बैठक रखी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में पचमढ़ी राजभवन में 3 जून को होगी मंत्रि-परिषद की बैठक

जनजातीय गौरव और विकास कार्यों को मिलेगा नया आयाम

पराक्रमी राजा भभूत सिंह को समर्पित होगी कैबिनेट बैठक, जनजातीय शौर्य को किया जाएगा स्मरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करोड़ों के विकास कार्यों की पचमढ़ी को देंगे सौगात

33.88 करोड़ रुपये के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण और 21.39 करोड़ रुपये की 6 नई परियोजनाओं का भूमि-पूजन

भोपाल,ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 3 जून को पचमढ़ी स्थित राजभवन में मंत्रि-परिषद की बैठक होगी। यह ऐतिहासिक बैठक पराक्रमी राजा भभूत सिंह को समर्पित होगी। बैठक में जनजातीय विरासत, प्राकृतिक संपदा और विकास के लिये नये संकल्प किये जायेंगे। यह अवसर जनजातीय नायकों के गौरव पचमढ़ी जैसे धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय रूप से महत्वपूर्ण स्थल को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पचमढ़ी प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अंतर्गत 33.88 करोड़ रुपये की लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे और लगभग 20.49 करोड़ रुपये की लागत के 6 कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री इसके बाद पौध-रोपण भी करेंगे।

कैबिनेट बैठक विशेष रूप से गौंड शासक राजा भभूत सिंह की स्मृति को समर्पित होगी, जिन्होंने पचमढ़ी की पहाड़ियों का उपयोग अंग्रेजों से स्वतंत्रता के लिए संघर्ष, शासन संचालन, रक्षा और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए किया था।

कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर राजा भभूत सिंह के पराक्रम और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान का स्मरण करते हुए सम्मान किया जाएगा। यह कैबिनेट बैठक न केवल एक प्रशासनिक पहल है, बल्कि यह प्राकृतिक धरोहरों के सम्मान, जनजातीय इतिहास के पुनर्पाठ और स्थानीय विकास की दृष्टि से ऐतिहासिक होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह प्रयास 'विरासत से विकास' की राज्य शासन की नीति को मजबूत करता है।

मुख्यमंत्री करेंगे करोड़ों के विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपने पचमढ़ी प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के तहत लगभग 33.88 करोड़ रुपये की लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे और लगभग 20.49 करोड़ रुपये की लागत के 6 कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। इन कार्यों में जयस्तंभ क्षेत्र के मार्गों का सौंदर्यीकरण, धूपगढ़ पर जल आपूर्ति हेतु पाइपलाइन एवं पंप हाउस, पचमढ़ी प्रवेश द्वार का सौंदर्यीकरण, सतपुड़ा रिट्रीट में किचन, रेस्टोरेंट और स्वीमिंग पूल का नवनीकरण और पर्यटन सेवाओं का विस्तार, जटाशंकर एवं पांडव गुफाओं पर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए पिंक टॉयलेट लाउंज का लोकार्पण, हांडी खो एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पर्यटक सुविधाओं का विकास, MICE योजना अंतर्गत कम्युनिटी सेंटर का विकास, ग्लेन व्यू में केंद्रीय नर्सरी की स्थापना और हिलटॉप बंगले को होम-स्टे में परिवर्तित करने का कार्य शामिल है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक रामविलास शर्मा द्वारा चम्बल प्रिंटिंग प्रेस इण्डस्ट्रीज एरिया बानमोर से मुद्रित व एस 12 द्वितीय तल रायल प्लाजा पुराने हाईकोर्ट के सामने ग्वालियर से प्रकाशित । प्रधान संपादक रामविलास शर्मा मोबा.- 9329077393
email-chambalsurkhi@yahoo.com आर.एन.आई. पंजीयन नं MPHIN/2007/20705 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना रहेगा। कानूनी सलाहकार युवराज कुलश्रेष्ठ एडवोकेट मो.9229842150 फोन- (07532)- 225779,9827679954

किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत सेवा प्रदाताओं का प्रशिक्षण आयोजित

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत सीएमएचओ कार्यालय श्योपुर में कराहल और श्योपुर विकासखंड के स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसके माध्यम से जिले की 20 पंचायतों में बाल-किशोर अनुकूल स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम चलाये जा रहे है। मध्य प्रदेश में किशोरों की स्थिति और चुनौतियों पर डीसीएम श्री अमित श्रीवास ने प्रतिभागियों का मार्ग दर्शन किया। बाल संरक्षण और विभिन्न कानूनों पर विधि सह परिवीक्षा अधिकारी श्री वीके गुप्ता द्वारा सत्र लिया गया तथा बालकों के कल्याणार्थ योजनाओं की जानकारी के साथ प्रतिभागियों के सवालों का निदान किया गया। ममता संस्था के जिला समन्वयक श्री लल्लन प्रसाद गोंड ने जेंडर पर प्राथमिक सत्र में बताया कि जेंडर के कारण महिला पुरुषों में होने वाले प्रभावों का निदान किस प्रकार किया जायें। उन्होने बताया कि आगामी नियोजन के तौर पर ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस को प्रभावी बनाकर सेवाओं के साथ स्वास्थ्य शिक्षा भी प्रदान की जाएगी।

किशोरों के साथ सत्र आयोजन की विधियां भी बताई गईं। इस अवसर पर बीसीएम श्री नीतू तोमर, श्री नवीन यादव, सीएचओ, एएनएम, आशा सुपरवाइजर और आशाएं उपस्थित रहीं।

सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का सकारात्मक निराकरण करें-सीईओ, समय सीमा की बैठक आयोजित

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर ने निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का निराकरण सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ किया जायें। सभी विभागीय अधिकारी अपनी विभागीय ग्रेडिंग में ए-ग्रेड का लक्ष्य पूर्ण करें। सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर ने निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाइन में श्योपुर जिले की रैकिंग गत माह 17 रही, उन्होने कहा कि टॉप-10 रैकिंग में आने के लिए विभागीय अधिकारी शिकायतों का त्वरित रूप से निराकरण करें तथा शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल एल-1 स्तर पर उचित जवाब भरें। उन्होने निर्देश दिये कि 50 दिवस से अधिक लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जायें। विभागीय अधिकारी कोर्ट प्रकरणों में जवाब दावे समय सीमा में प्रस्तुत करें तथा उसकी प्रति संबंधित शाखा को उपलब्ध कराई जायें। बैठक में डिप्टी कलेक्टर श्री संजय जैन, सहित विभिन्न विभागो के अधिकारी उपस्थित थे।

रोजगार-स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में श्योपुर जिला नंबर-वन

कलेक्टर को मिला प्रशस्ती पत्र

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा रोजगार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में युवाओं को अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने के प्रयासों एवं पहल को प्रदेश स्तर पर सराहना मिली है। गत शुक्रवार 30 मई को निषादराज भवन श्योपुर में आयोजित रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिशशिप युवा संगम मेले के सफल आयोजन से श्योपुर जिला कौशल विकास अंतर्गत प्रदेश में नबंर-वन रहा है। श्योपुर जिले को रोजगार एवं स्वरोजगार उपलब्ध कराने में पूरे प्रदेश में पहला स्थान हासिल हुआ है। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मध्यप्रदेश शासन अंतर्गत रोजगार आयुक्त श्री गिरीश शर्मा की ओर से कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा को प्रशंसा पत्र प्रेषित किया गया है, जिसमें कहा गया है कि रोजगार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में आकांक्षी युवाओं के लिए उल्लेखनीय कार्य किये गये है, जिसके तहत प्रदेश में श्योपुर जिले की रैंक नंबर-वन आई है। इसके लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के नेतृत्व की प्रशंसा की गई है। उल्लेखनीय है कि युवा संगम आयोजन को लेकर गत एक माह से कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा लगातार संबंधित अधिकारियों की बैठक एवं चर्चा करते हुए कार्यो की निगरानी और समीक्षा की जा रही थी। इसके साथ ही रोजगार के लिए विभिन्न कंपनियों की उपलब्धता के प्रयास भी किये जा रहे थे, जिसके सुखद परिणाम 30 मई को श्योपुर स्थित निषादराज भवन में आयोजित रोजगार मेले में देखने को मिले। रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिशशिप युवा संगम मेले के माध्यम से विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं में 1589 हितग्राहियों को 4 करोड 8 लाख 89 हजार रूपये की राशि का ऋष्ण वितरण किया गया। इसके तहत जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, पशुपालन विभाग की डेयरी एवं बकरी पालन योजनाएं, उद्यानिकी विभाग की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना एवं जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति की डॉ भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना सहित एनआरलएम की सीसीएल प्रदाय योजना में हितग्राहियों को ऋष्ण प्रदान कर लाभान्वित किया गया। इसके साथ ही मेले में 12 से अधिक नियोजक कंपनियों द्वारा भाग लिया गया, जिनमें साईवेट प्रायवेट इंडिया लिमिटेड, मदरसन ऑटोमेटिव गुजरात, इंडियन एम्पलाइमेंट गुना, चैकमेट सर्विस प्रायवेट लिमिटेड गुजरात, गैल इस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स गुना, नौकरी फाई डाट कॉम प्रायवेट लिमिटेड नोएडा, बुचर हाईड्रोलिक्स जैसी कंपनियां शामिल हुई, जिन्होंने युवाओं को उनकी योग्यतानुसार विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से सीधे ही प्लेसमेंट किया। रोजगार एवं स्वरोजगार मेले के दौरान कुल 467 अभ्यर्थियों का पंजीयन किया गया तथा विभिन्न कंपनियों द्वारा साक्षत्कार के माध्यम से 252 युवाओं का प्रारंभिक चयन करते हुए 163 को जॉब ऑफर लेटर प्रदान किये गये। 163 लोगों को सीधे ही रोजगार मिलने जिले के लिए अपने आप में एक बडा एचीवमेंट है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा श्योपुर जिले में अपनी पदस्थी के साथ ही युवाओं के कौशल विकास उन्नयन एवं तकनीकी शिक्षा पर गंभीरता के साथ ध्यान दिया जा रहा है और इस दिशा में रोजगार एवं स्वरोजगार से जुडे विभागों की निरंतर समीक्षा की जा रही है। वर्तमान में रोजगार और स्वरोजगार के साथ ही जिले को तकनीकी शिक्षण संस्थानों आईटीआई, पॉलीटेक्निक में युवाओं को प्रवेश के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे वे तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर कौशल विकास के साथ न केवल तकनीकी क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकें, बल्कि स्वरोजगार के क्षेत्र में उद्योग स्थापित कर जिले के अन्य युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में अपना सक्रिय योगदान दे सकें। उन्होने युवा उद्यमियों से अपेक्षा की है कि वे शासन की स्वरोजगार मूलक योजनाओं का लाभ उठाते हुए जिले में बडे उद्योग स्थापित करें।

किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी देने ग्रामों में पहुंचा दल

विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत किसानों को दी जानकारी

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में श्योपुर जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत गठित टीमों द्वारा किसानों को गांव-गांव जाकर खेती, किसानी की उन्नत तकनीको एवं नवाचारों से अवगत कराया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिक डॉ कायम सिंह ने बताया कि इसी क्रम में निर्धारित कार्यक्रम अनुसार कृषि विज्ञान केन्द्र बड़ौदा के वैज्ञानिको सहित कृषि, पशुपालन, मत्स्य, उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों तथा प्रगतिशील कृषको, एफपीओ के प्रतिनिधियों की टीम द्वारा विकासखण्ड श्योपुर के ग्राम जावदेश्वर, जैनी एवं मानपुर में पहुंचकर 423 किसानों के मध्य मध्यप्रदेश शासन के द्वारा चलाई जा रही किसान हितेषी योजनाओं एवं कृषि की उन्नत तकनीकी को विस्तार से समझाया गया। इस अवसर पर कीटनाशक छिडकाव के लिए ड्रोन स्प्रे का प्रदर्शन कर किसानों को इसके उपयोग के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। विकासखण्ड कराहल के दल द्वारा ग्राम गोरस, पिपरानी एवं करांई में पहुंचकर 385 किसानों को जानकारी प्रदान की गई। इसी प्रकार विकासखण्ड विजयपुर के दल द्वारा ग्राम इकलोद, लाडपुरा एवं लोहसगानी ग्रामों के मध्य पहुंचकर 242 किसानों को योजनाओं के संबंध में अवगत कराया गया और खरीफ फसल की विभिन्न किस्मो सहित फसलो के विविधिकरण एवं रासायनिक खाद के संतुलित उपयोग की जानकारी देते हुए प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही किसानों को मिट्टी परीक्षण एवं उसके महत्व, नरवाई न जलानें एवं उससे होने वाले नुकसान को विस्तार से समझाया गया, वही फसलों की उन्नत तकनीकी के माध्यम से ज्वार, बाजरा, मक्का, तिल जैसी फसलों के उत्पादन की सलाह दी गई।

मंगलवार को इन ग्रामों में पहुंचेगी टीमें

श्योपुर विकासखण्ड की टीम द्वारा 03 जून को ग्राम जैदा, इच्छापुरा एवं नगदी में भ्रमण कर जानकारी प्रदान की जायेगी। विकासखण्ड कराहल की टीम 03 जून को बुढेरा, डोब एवं सिमरोनिया का भ्रमण करेंगी। इसी प्रकार विजयपुर विकासखण्ड की टीम सिमरई, नयागांव एवं सारंगपुर में किसानों को खेती की नवीन तकनीकी तथा उन्नत फसलों के संबंध में अवगत करायेगी।

तीन ऑयल मिल से लिये सरसो तेल के नमूने

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आमजन को मानक खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिले में लगातार खाद्य पदार्थो के सैम्पल लिये जा रहे है। इसी क्रम में आज फूड सेफ्टी विभाग द्वारा विजयपुर में तीन ऑयल मिल से सरसो तेल के सेम्पल लेने की कार्यवाही की गई। सैम्पलों को जांच के लिए राज्य स्तरीय प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री धमेन्द्र जैन ने बताया कि विजयपुर की गल्ला मंडी में संचालित मोहनलाल महेन्द्र कुमार ऑयल मिल, रेस्टहाउस के पास संचालित द्वारिका प्रसाद रोशनलाल ऑयल मिल तथा सुनवई तिराहे पर स्थित पवन ऑयल मिल से सरसो तेल के सैम्पल लिये गये। जिन्हें जांच के लिए भोपाल स्थित प्रयोगशाला भेजा गया है।

आईटीआई में प्रवेश की तिथि बढी, अब 16 जून तक होंगे आवेदन

श्योपुर ब्यूरो। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में प्रवेश प्रक्रिया की तिथि को 31 मई से बढाकर अब 16 जून कर दिया गया है। आईआईटी में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी अपने कम्प्यूटर या एंड्रॉयड मोबाइल फोन अथवा ऑनलाइन सहायता केन्द्रों के माध्यम से विभाग के पोर्टल https://mpiticounseling.co.in/ पर 16 जून तक अपना पंजीयन व च्वॉइस फिलिंग कर सकते हैं। आईटीआई श्योपुर में 05 व्यवसायिक पाठ्यक्रम संचालित हैं। आईटीआई के प्राचार्य श्री आशीष जैन ने बताया कि आईटीआई में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी पंजीयन उपरांत संस्थाओं तथा व्यवसायों के क्रम का चयन 16 जून तक कर सकेंगे। इसी क्रम में 17 जून को आवेदकों के लॉगइन पर कॉमन रैंक प्रदर्शित की जायेगी। इसमें यदि आवेदकों को कोई त्रुटि सुधार कराना हो तो ईमेल mpiticounselingw®wz@gmail.com के माध्यम से अपने रजिस्ट्रेशन क्रमांक व अंक सूची के आधार पर 17 जून से 18 जून तक सुधार करा सकेंगे। प्रथम चयन सूची 23 जून को जारी की जायेगी तथा उक्त सूची में शामिल चयनित आवेदको को आवंटित संस्था में उपस्थिति एवं प्रवेश की प्रक्रिया 24 से 26 जून तक करनी होगी। इसके उपरांत द्वितीय चयन सूची 01 जुलाई 2025 को जारी की जायेगी। विस्तृत जानकारी के लिये प्रवेश प्रभारी श्री अतुल चतुर्वेदी मोबाइल नंबर 7047515000 से संपर्क किया जा सकता है।

आईटीआई श्योपुर में यह ट्रेड हैं संचालित

आईटीआई श्योपुर में 05 व्यवसायिक पाठ्यक्रम संचालित हैं। जिनमें कोपा, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मैकेनिक डीजल, स्टेनोग्राफर (हिंदी) शामिल हैं।

नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था कौशिकी सोशल वेलफेयर एंड एनवायरमेंट सोसाइटी द्वारा विजयपुर क्षेत्र के ग्राम कीजरी में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह एवं ब्लॉक समन्वयक श्रीमती शाहीन परवीन के निर्देशन में ग्राम कींजरी में आयोजित नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को हर प्रकार के नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया गया तथा नशे से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर सरपंच श्री धर्मेंद्र आदिवासी तथा प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष श्री दुर्गेश गोस्वामी, संस्था के मेंटर श्री अभय शमा, संस्था सचिव श्री दिलीप तिवारी आदि मौजूद रहें।

विद्यालयों में ईको क्लब के माध्यम से व्यापक स्तर पर चलाया जायेगा पौध रोपण अभियान

स्कूल शिक्षा विभाग आगामी सीजन में 50 लाख पौधों का करेगा रोपण

विद्यालयों में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 के रूप में चलेगा अभियान

श्योपुर ब्यूरो। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के विद्यालयों में 5 जून से ईको क्लब के माध्यम से व्यापक स्तर पर पौध रोपण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। यह अभियान प्रदेश में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 के नाम से चलाने का फैसला किया गया है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये हैं। प्रत्येक जिले में अभियान के दौरान एक लाख पौधों का रोपण करने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में विद्यार्थियों की भागीदारी से 30 सितम्बर तक 50 लाख पौधे रोपे जायेंगे।

पौध रोपण का उद्देश्य व्यापक स्तर पर पौध रोपण का उद्देश्य बच्चों और युवा पीढ़ी को सतत् विकास के प्रति संवेदनशील बनाने और प्रकृति को हरा-भरा बनाने में सक्रिय भागीदार बनाना है। यह अभियान मातृत्व की भावना का सम्मान करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना भी है। पौध रोपण में स्थानीय और क्षेत्रीय प्रजातियों के पौधे लगाने को प्राथमिकता दी जायेगी। अभियान के दौरान बच्चों को पौधों की किस्मों और उनके फायदे की जानकारी भी साझा की जायेगी।

क्रियान्वयन की रणनीति जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी को विद्यालयों, ग्राम में उपलब्ध्भूमि एवं विद्यालय की छात्र संख्या के अनुसार कार्ययोजना बनाने के लिये कहा गया है। जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठन करने को कहा गया है। समिति में वनमंडल अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक, स्कूल प्राचार्य, समाज के प्रमुख नागरिकों को शामिल करने के लिये कहा गया है। समिति के नोडल अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र सहायक नोडल अधिकारी होंगे। पौध रोपण की तैयारी 4 जून तक करने के लिये कहा गया है। पौध रोपण मुख्य रूप से स्कूल परिसर, स्कूल तक जाने वाली सड़क, सार्वजनिक स्थल और अमृत सरोवर के आस-पास किया जायेगा। पौध रोपण के बाद उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तय किये जाने के लिये कहा गया है। ग्रीष्म अवकाश के बाद 15 जून से बच्चों को प्रातरू सभा के समय पौधों के महत्व के बारे में बताने के लिये कहा गया है।

लगाये गये पौधों के साथ एक पट्टिका होगी, जिसमें विद्यार्थी और उसकी माता का नाम भी अंकित किया जायेगा। प्रत्येक वृक्ष प्रजाति के लिये एक क्यू-आर कोड भी बनाया जा सकता है, जिससे बॉटनिकल जानकारी का डिजिटली प्रसार हो सकेगा। जिला स्तर पर कक्षा 9 से 12 के विद्यालयों में संपूर्ण कार्यक्रम के क्रियान्वयन का सुपरविजन का दायित्व जिला शिक्षा अधिकारी को और कक्षा 6 से 8 तक के विद्यालयों में कार्यक्रम की निगरानी का कार्य जिला परियोजना समन्वय जिला शिक्षा केन्द्र को सौंपा गया है।

जिला भिण्ड में कलेक्टर ने स्वयं की स्क्रीनिंग से स्वस्थ्य यकृत मिशन की शुरूआत

जिले में स्वस्थ्य यकृत मिशन अंतर्गत नॉन एल्कोहोलिक फैटी लिवर डिसिज की स्क्रीनिंग के 204 जगह हुआ शिविर का आयोजन

भिण्ड ब्यूरो। मध्यप्रदेश सरकार ने स्वस्थ्य यकृत मिशन के अंतर्गत इस दिशा में नवीन पहल की है जिसका शुभारम्भ दिनांक 21 मई 2025 को मा. राज्यपाल जी एवं मुख्यमंत्री जी के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम अंतर्गत दिनांक 02 जून 2025 को कलेक्ट्रट कार्यालय में स्वस्थ्य यकृत मिशन अंतर्गत नॉन एल्कोहेलिक फैटी लिवर डिसिज की स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन बृहद स्तर पर किया गया। जिसकी शुरूआत शिविर का आयोजन कर कलेक्टर भिण्ड, सीईओ जिला पंचायत भिण्ड, अपर कलेक्टर भिण्ड, अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग अटेर तथा कलेक्ट्रेट कार्यालय के समस्त अधिकारियों तथा कर्मचारियों की वजन, ऊंचाई, तथा कमर की माप लेकर बी.एम.आई. की गणना की गई। जिला स्तर पर आज इस शिविर का शुभारम्भ सम्पूर्ण जिले में किया गया। जिसके तहत 30 वर्ष एवं उससे अधिक आयुवर्ग के समस्त जनसमुदाय की स्क्रीनिंग आशा कार्यकर्ता एवं ए.एन.एम. तथा सीएचओ के द्वारा 3486 लोगों की स्क्रीनिंग की गई। जिसमें से संभावित 158 एन.ए.एफ.एल.डी. लोगों जिनकी कमर की माप निश्चित माप से अधिक है या बी.एम.आई. अधिक है, या लाभार्थी को डायबिटीज है अथवा परिवार में अन्य सदस्यों को रही है, तो नजदीकी प्राथ. स्वा. केन्द्रध्सामु. स्वा. केन्द्र/सिविल अस्पतालध्जिला अस्पताल में अन्य परीक्षण कराकर सम्पूर्ण इलाज उपलब्ध कराया जावेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भिण्ड डॉ. जे.एस. यादव ने अधिक जानकारी देते हुये बताया कि सरकार द्वारा स्वस्थ्य यकृत मिशन अंतर्गत नॉन एल्कोहेलिक फैटी लिवर डिसिज की स्क्रीनिंग शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य कर्मचारियों के द्वारा की जावेगी। साथ ही यह भी बताया कि शुरूआती नॉन एल्कोहेलिक फैटी लिवर डिसिज को दैनिक दिनचर्या में प्रतिदिन व्यायाम एवं खान-पान में सुधार कर भी नियंत्रण किया जा सकता है। डॉ. यादव ने आमजन सामान्य से अपील की है कि सभी 30 वर्ष एवं उससे अधिक आयुवर्ग के लोग इस कार्यक्रम अंतर्गत अधिक से अधिक लाभ लें।

संयुक्त परामर्शदात्री समितियों की बैठक 10 जून को

भिण्ड ब्यूरो। प्रभारी अधिकारी वास्ते कलेक्टर भिण्ड ने बताया है कि अवर सचिव, सा.प्रशा.से. शासकीय कर्मचारी कल्याण संगठन भोपाल का पत्र के माध्यम से संघ संयुक्त परामर्शदात्री समितियों की बैठक कराने हेतु निर्देश प्राप्त हुए हैं जिसके क्रम में दिनांक 10 जून 2025 दोपहर 02रू30 को कलेक्टर सभागार में किया जाना है। अतः समस्त कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया जाता है कि आप उक्त बैठक में उपस्थित होना सुनिश्चित करें, जिससे की संबंधितों की समस्याओं का निराकरण किया जा सके।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई आयोजित

सीएम हेल्पलाइन एवं समय सीमा वाले विभागीय पत्रों का निराकरण करने दिए निर्देश

भिण्ड ब्यूरो। कलेक्टर श्री संजीव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में समय सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय भिण्ड के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री सुनील दुबे, अपर कलेक्टर श्री एल.के. पाण्डेय, एसडीएम अटेर श्री अंकुर रवि गुप्ता सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारी तथा कई अधिकारी वर्चुअल रूप से उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने सीएम हेल्पलाईन में लंबित शिकायतों तथा निराकरण की स्थिति की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि समस्त विभाग सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण में फोकस करें। साथ ही सभी विभाग अधिकारियों को 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों के निराकरण में भी फोकस करने निर्देश दिए। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा कर कहा कि अभियान के तहत कार्यों में गति लाएं एवं भूजल संरक्षण के कार्यों को अति महत्व देकर पूर्ण कराएं। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगरीय निकाय एवं पंचायत विभाग सहित सम्मिलित सभी विभागों के द्वारा की गयी गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने खेत तालाब, डगवेल, अमृत सरोवर एवं वृहद वृक्षारोपण कार्य के संबंध में जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने ईकेवाईसी की समीक्षा कर कहा कि संबंधित अधिकारी समग्र ईकेवाईसी पर विशेष ध्यान दें और कार्य में प्रगति लाएं। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन, सीपी ग्राम शिकायत, मिलावट के विरुद्ध कार्रवाई, मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त पत्रों के निराकरण की समीक्षा, सीएम एवं सीएस मॉनिट, सार्थक ऐप, टीएल पत्र निराकरण की समीक्षा की एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिऐ।

वंदेमातरम के साथ कार्यालयो में हुई कामकाज की शुरूआत

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में माह जून 2025 के प्रथम कार्य दिवस पर कार्यालय प्रारंभ होने के तत्काल पूर्व संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन स्थित कार्यालयों के अधिकारी, कर्मचारियों ने राष्ट्रीयगीत वंदेमातरम का गायन कलेक्ट्रेट परिसर श्योपुर में किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारियों ने राष्ट्रीयगीत वंदेमातरम का गायन किया। इसके उपरांत शासकीय कार्यालयों में काम-काज की शुरूआत हुई।

कलेक्टर द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) बीएलसी घटक के पूर्ण एवं अपूर्ण आवासों की वर्षवार की गई समीक्षा

भिण्ड ब्यूरो। कलेक्टर भिण्ड श्री संजीव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जिला भिण्ड व समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी जिला भिण्ड की प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) बीएलसी घटक के पूर्ण एवं अपूर्ण आवासों की वर्षवार समीक्षा की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री एल.के. पाण्डेय, एसडीएम भिण्ड श्री अखिलेश शर्मा, एसडीएम गोहद श्री पराग जैन, एसडीएम मेहगांव श्री नवनीत शर्मा, एसडीएम लहार श्री विजय यादव, एसडीएम अटेर श्री अंकुर रवि गुप्ता, समस्त नगर पालिकाध्परिषद सीएमओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान पाया गया कि वर्ष 2016 (योजना प्रारंभ) से लेकर वर्ष 2021 तक की स्वीकृत डीपीआर में से हितग्राहियों द्वारा कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है और न ही हितग्राहियों द्वारा अपूर्ण आवासों को पूर्ण किया गया। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने उक्त वर्षों के अप्रारंभ व अपूर्ण आवासों को सरेण्डर करने की कार्यवाही एवं हितग्राहियों के विरुद्ध आरआरसी जारी कर राशि वसूलने की कार्यवाही करने निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

प्रत्येक परियोजना कार्यालय में सभी महिलाओं के बनाए जायेंगे आधार कार्ड, अधिक जानकारी के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय में सम्पर्क करें

भिण्ड ब्यूरो। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग भिण्ड ने बताया है कि संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग म.प्र. भोपाल का पत्र दिनांक 20 मई 2025 द्वारा जिला अंतर्गत महिला एवं बाल विकास के तहत समस्त 10 बाल विकास परियोजना कार्यालयों (भिण्ड शहरी, भिण्ड ग्रामीण, रौन, अटेर मेहगांव, बरोही, गोरमी, गोहद, मौ, लहार) में प्रत्येक परियोजना कार्यालय में सभी महिलाओं के आधार कार्ड बनाए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वितीय तल कलेक्ट्रेट परिसर भिण्ड में सम्पर्क करें।

मदाखलत अमले ने हटाया अतिक्रमण

ग्वालियर। शहर में सुगम यातायात के लिए नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा निरंतर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके अन्तर्गत शहर के सभी प्रमुख मार्केट एवं सडकों पर अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया गया। मदाखलत निरीक्षक श्री विशाल जाटव ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशन तथा उपायुक्त श्री सत्यपाल सिंह चैहान एवं मदाखलत अधिकारी श्री केशव सिंह चौहान के दिये गए निर्देश पालन में पूर्व विधानसभा अंतर्गत गुरुद्वारे के सामने रखे हाथ ठेले एवं फूड वाहन को जप्त किया जाकर मदाखलत स्टोर कार्यालय भेजे गए। जिससे क्षेत्र में यातायात सुगम हो सके। इसके साथ ही मदाखलत अधिकारी दक्षिण श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान के निर्देशन में दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए जनकगंज हॉस्पिटल के सामने एवं आस पास रोड पर खडे ठेलों को जप्त कर मदाखलत कार्यालय पंहचाए गए तथा उन्हें पुनः यहां ठेले न खडे करने की चेतावनी दी गई। कार्रवाई के दौरान मदाखलत निरीक्षक श्री सुघर सिंह सहित निगम अमला मौजूद रहा।

निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने की जलप्रदाय एवं सीवर कार्यों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने सीवर एवं जलप्रदाय के कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया की जलप्रदाय एवं सीवर की समस्या का त्वरित निराकरण हो इसके लिए अधिकारी तत्परता से कार्य कराएं और जो भी इस कार्य में लापरवाही करे उसके खिलाफ प्रस्ताव बनाकर उस पर कार्रवाई कराएं। जलविहार स्थित बैठक कक्ष में आयोजित बैठक में कार्यपालन यंत्री श्री संजीव गुप्ता, श्री आर के शुक्ला, श्री आर के राव, सहायक यंत्री श्री एपीएस भदौरिया, श्री प्रवीण दीक्षित, श्री महेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, श्री केसी अग्रवाल, श्री रामसेवक शाक्य, सुश्री शालिनी सिंह एवं नोडल अधिकारी सीवर श्री लल्लन सेंगर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने चंबल से पानी लाने के कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए चल रहे कार्य के बारे में जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि कार्य समयसीमा में हो जिससे आमनागरिकों की पानी की समस्या का स्थाई निदान हो सके, इसके लिए जो भी प्रस्ताव, अनुमति एवं टेन्डर आदि करना है उसमें कतई लेटलतीफी नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही जहां भी लाइन डालते जहां भी डालते जाएं वहां तत्काल लाइन की टेस्टिंग उपरांत रोड रेस्टोरेशन का कार्य भी पूर्ण करते जाएं। इसके पश्चात नलकूप खनन एवं टेंकर द्वारा जलप्रदाय के टेन्डर प्रक्रिया की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा कहा कि कार्य की आवश्यकता को देखते हुए टेन्डर समय पर कर लिए जाएं अन्यथा आवश्यकता समाप्त होने पर टेंन्डर खुलें तो उनकी उपयोगिता नहीं रहती है। समीक्षा के दौरान निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने निर्देश दिए सभी टंकियां समय पर भरें तथा नागरिकों को पानी मिले इसके लिए गंभीरता से कार्य करें। साथ ही अमृत 2 में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी लेकर निर्देश दिए कि इसमें सभी संबंधित अधिकारी आपस में चर्चा कर यह सुनिश्चित करें कि कहीं कोई बडा कार्य छूट न जाएं। इसके पश्चात सीवर संधारण के टेन्डर प्रक्रिया की प्रगति जानी तथा निर्देश दिए कि सभी टेन्डर तत्काल लगाएं, आगामी सप्ताह में टेन्डर आवश्यक रुप से लग जाएं। बैठक में निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने निर्देश दिए कि 15वें वित्त के तहत कराए गए कार्यों की जानकारी दें तथा यह सुनिश्चित करें कि जहां भी लाइन डालने का कार्य हो वहां रोड रेस्टोरेशन उसी समय हो जाए। वहीं जलकर वसूली को लेकर जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिए कि 22-23 तक जिन उपभोक्ताओं द्वारा बिल जमा नहीं किए गए हैं उनकी जानकारी दें जिससे उन पर कार्रवाई की जा सके। इसके साथ ही अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

शहर की सभी टंकियां समय पर भरें और नियमित रुप से सभी को पानी मिले : सभापति श्री तोमर

ग्वालियर। शहर की सभी टंकियां समय पर भरें और नियमित रुप से सभी को पानी मिले। इसको लेकर व्यवस्थित योजना बनाकर कार्य करें। पेयजल प्रदाय को लेकर जहां से भी शिकायतें आ रहीं हैं उनका समयसीमा में निराकरण करें। उक्ताशय के निर्देश सभापति श्री मनोज तोमर ने जलप्रदाय विभाग की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, कार्यपालन यंत्री श्री संजीव गुप्ता, श्री आर के शुक्ला, श्री आर के राव, सहायक यंत्री श्री एपीएस भदौरिया, श्री प्रवीण दीक्षित, श्री महेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, श्री केसी अग्रवाल, श्री शिशिर श्रीवास्तव, श्री रामसेवक शाक्य, सुश्री शालिनी सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जलविहार स्थित एमआईसी बैठक कक्ष में आयोजित बैठक में सभापति श्री मनोज तोमर ने जलप्रदाय की समीक्षा करते हुए कहा कि हमने शहर में प्रतिदिन पानी देने की बात कही है लेकिन कहीं प्रतिदिन पानी जा रहा है तथा कई स्थानों पर नहीं मिल पर रहा है, इसके लिए आवश्यक कार्ययोजना बनाकर कार्य करें जिससे गर्मियों में नागरिकों को समस्या न हो। सभापति श्री तोमर ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित इंजीनियर प्रतिदिन जलप्रदाय के दौरान क्षेत्र में घूमें, जिससे उन्हें वास्तिवक स्थिति का पता लगे और जहां भी पानी नहीं पंहुचने की समस्या आ रही हैं उसका निराकरण कराएं। बैठक में सभापति श्री तोमर ने एडीबी, अमृत 1 एवं 15वें वित्त के तहत विभिन्न वार्डो में किए गए कार्यों की जानकारी मांगी। जिससे यह पता लगे कि कहां कार्य नहीं किए गए वहां कार्य कराने की आवश्यकता है। इसके साथ ही सभापति श्री तोमर ने जलप्रदाय से संबंधित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

निगमायुक्त ने की राजस्व विभाग की समीक्षा, सामुदायिक भवनों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए सामुदायिक भवनों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अपर आयुक्त श्री विजय राज, उपायुक्त श्री सुनील चौहान ,नोडल अधिकारी श्री अनूप लिटोरिया एवं कार्यालय अधीक्षक श्री प्रमेंद्र जादौन उपस्थित रहे। नोडल अधिकारी श्री अनूप लिटोरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने समीक्षा करते हुए कहा कि खुर्ज़े वाला मोहल्ला एवं हुजरात मार्केट स्थित निगम मार्केट में रिक्त दुकान के 07 दिवस में टेंडर लगाए। निगम स्वामित्व के सामुदायिक भवन से अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई के निर्देश दिए गए । समीक्षा बैठक के दौरान 12 सामुदायिक भवनों पर अतिक्रमण की रिपोर्ट सामने आई है। हजीरा स्थित इंटक मैदान में निर्मित चौपाटी की दुकानों के 15 दिवस में टेंडर जारी करने के निर्देश दिए गए । पुराने निगम मुख्यालय बाड़ा के स्मार्ट सिटी द्वारा किये जा रहे रिनोवेशन के संबंध में कमर्शियल उपयोग हेतु एम आई सी को प्रस्ताव भेजे जाने के निर्देश दिए गए। नजरबाग मार्केट के सामने पुराने निगम मुख्यालय में निर्मित दुकानों को स्मार्ट सिटी से हैंडोवर की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही बाल भवन के सामने स्थित बंबू रेस्टोरेंट को पगोड़ा रेस्टोरेंट की भांति आवंटित करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

संभागीय आईटीआई में प्रवेश लेने का एक और अवसर, आवेदन की तिथि बढ़ी, अब 16 जून तक कराए जा सकते हैं ऑनलाइन पंजीयन

आईटीआई में 23 तकनीकी ट्रेड हैं संचालित, महिलाओं के लिये आरक्षित हैं 35 प्रतिशत सीटें

ग्वालियर। ग्वालियर में बिरलानगर स्थित शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में भी प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। आईआईटी में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी अपने कम्प्यूटर या एंड्रॉयड मोबाइल फोन अथवा ऑनलाइन सहायता केन्द्रों के माध्यम से विभाग के पोर्टल https://mpiticounseling.co.in/ पर अब 16 जून तक अपना पंजीयन व च्वॉइस फिलिंग कर सकते हैं। पहले इसके लिये 31 मई अंतिम तिथि निर्धारित थी। संभागीय आईटीआई में 23 व्यवसायिक पाठ्यक्रम संचालित हैं। संभागीय आईटीआई में महिलाओं के लिये 35 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं। शासकीय संभागीय आईटीआई के प्राचार्य श्री एम के आर्य ने बताया कि आईटीआई में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी पंजीयन उपरांत संस्थाओं तथा व्यवसायों के क्रम का चयन 16 जून तक कर सकेंगे। आईटीआई में प्रवेश के लिये ट्रेड के अनुसार आठवीं व दसवीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी अपना पंजीयन करा सकते हैं। प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी के लिये आईटीआई में व श्री आर के गुप्ता (मोबा. 6264605679) पर संपर्क किया जा सकता है।

छात्रावास सहित अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं

संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास में पढ़ाई व सम्पूर्ण परिसर में वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। न्यूनतम दर पर वाईफाई युक्त होस्टल की सुविधा विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध है। साथ ही संस्था के विद्यार्थियों को शासन की विभिन्न छात्रवृत्तियाँ भी मिलती हैं। संभागीय आईटीआई में सीएनसी एण्ड अपग्रेडेड मशीनरी उपलब्ध है। ऑन जॉब ट्रेनिंग, एनसीसी के बी व सी सर्टिफिकेट का प्रावधान है। समय-समय पर विभिन्न कंपनियों के माध्यम से कैम्पस प्लेसमेंट भी कराए जाते हैं।

संभागीय आईटीआई में यह ट्रेड हैं संचालित

संभागीय आईटीआई में 23 व्यवसायिक पाठ्यक्रम संचालित हैं। जिनमें कोपा, ड्राफ्ट्समैन सिविल, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन डिजाइन, फिटर, फाउंड्रीमैन, एससीव्हीटी, मशीनिस्ट, मैकेनिक (ट्रैक्टर), मैकेनिक डीजल, आर ए सी, स्विंग टेक्नोलॉजी, स्टेनोग्राफर (अंग्रेजी), स्टेनोग्राफर (हिंदी), सर्वेयर, टर्नर, वेल्डर, ओ.ए.सी. सी.ओ, ड्राफ्ट्समैन (मैकेनिकल), मैकेनिक मोटर व्हीकल, कोपा दृष्टि बाधित 100 प्रतिशत एवं ड्रेस मेकिंग़ शामिल हैं।

बहोडापुर से आनंद नगर होते हुए सागरताल चौराहा तक की सफाई

मेगा ड्राइव फॉर माइक्रो डस्ट क्लीनिंग के तहत आयोजित कार्यक्रम

ग्वालियर। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत ग्वालियर में वायु सुधार हेतु जन जागरूकता कार्य के अंतर्गत मेगा ड्राइव फॉर माइक्रो डस्ट क्लीनिंग प्रोग्राम के तहत बहोडापुर से आनंद नगर होते हुए सागरताल चौराहा तक अभियान चलाकर सडकों की साफ सफाई कराई गई तथा आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार शहर की वायु सुधार हेतु अनेक कार्य किए जा रहे हैं। इसी के तहत आज मेगा ड्राइव फॉर माइक्रो डस्ट क्लीनिंग प्रोग्राम के तहत आज नगर पालिक निगम ग्वालियर की सहयोगी संस्था म्यूज फाउंडेशन एवं संस्था डिवाईन द्वारा नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत बहोडापुर से आनंद नगर होते हुए सागरताल चौराहा तक माइक्रो डस्ट क्लीनिंग का कार्य किया गया इसमें डिवाइडर्स और फुटपाथ के आस पास की मिट्टी और कचरा साफ करवाया गया, रोड पर सभी दुकानदारों को साफ सफाई रखने, डस्टबिन का उपयोग करने कचरा ना जलाने की सलाह दी एवं वायु प्रदूषण के रोकथाम के उपायों के बारे में समझाया गया, अपना शहर अपनी धरोहर क्षेत्र में कार्य करते हुए स्वच्छता का संकल्प लिया गया। टीम के द्वारा न केवल सार्वजनिक स्थलों की सफाई करवाई। वहाँ उपस्थित जनमानस को जागरूक करते हुए स्वच्छता का संकल्प भी दिलवाया गया। अभियान के दौरान नोडल अधिकारी आईईसी श्री मुकेश बंसल, सहायक नोडल अधिकारी श्री शैलेंद्र सक्सेना, श्री देवेन्द्र निम सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपसित रहे।

आकाशवाणी से एसकेबी तिराहे तक नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम आज

नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत दिनांक 03 जून 2026 को आकाशवाणी से एसकेबी तिराहे तक जन भागीदारी द्वारा वायु सुधार कार्यक्रम हेतु साफ सफाई कर नागरिकों को जागरुक किया जाएगा।

सड़क का काम शुरू हुआ तो खुशी से झूम उठे ग्रामीणजन

जिला प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुँचकर अतिक्रमण हटवाकर सड़क का काम शुरू कराया, ग्राम दुहिया व टिहौली निवासी लम्बे अरसे से इस सड़क के इंतजार में थे

ग्वालियर। जिले की तानसेन तहसील के ग्राम दुहिया व टिहौली के बीच सड़क निर्माण की मांग दोनों गाँव के निवासी लम्बे अरसे से करते आ रहे थे। राज्य शासन द्वारा सड़क मंजूर भी कर दी गई, पर जिस मार्ग पर सड़क बनाई जानी थी वहाँ पर गाँव के लोगों ने अतिक्रमण कर लिया था। इस कारण सड़क का काम शुरू नहीं हो पा रहा था। सोमवार को जिला प्रशासन व पुलिस की संयुक्त टीम दल-बल के साथ मौके पर पहुँची और अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ सड़क का कच्चा काम भी पूरा करा दिया। सड़क का काम शुरू हुआ तो दोनों गाँव के निवासी खुशी से झूम उठे। तहसीलदार हस्तिनापुर श्री दिनेश कुमार चौरसिया व एसडीओपी बेहट श्री मनीष यादव के नेतृत्व में गई टीम में एक जेसीबी और 8 ट्रेक्टर की मदद से सड़क मार्ग पर किया गया अतिक्रमण अपनी मौजूदगी में हटवाया। साथ ही इस कार्रवाई में बाधा डाल रहे लोगों को बाउण्डओवर कर पुलिस थाना हस्तिनापुर भिजवाया। जिला प्रशासन की टीम द्वारा की गई इस कार्रवाई से ग्रामीणों की खुशी देखते ही बनी। सड़क का काम शुरू होने पर सभी ने शासन और प्रशासन के प्रति धन्यवाद जताया। तहसीलदार श्री चौरसिया ने बताया कि दुहिया ङ्क टिहौली मार्ग पर ग्राम दुहिया के समीप लगभग 150 मीटर लम्बाई में अतिक्रमण के कारण सड़क का काम रुका हुआ था। इस स्थान पर दाताराम, रामहेत व धर्मवीर द्वारा कच्चा निर्माण व भूसे के कूप लगाकर बेजा कब्जा कर लिया था। ग्राम पंचायत दुहिया के सरपंच द्वारा आवेदन दिया गया था कि इस सड़क का निर्माण अतिक्रमण के कारण प्रभावित हो रहा है। सरपंच द्वारा दिए गए आवेदन पर सीमांकन कराया गया। साथ ही सोमवार को राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुँची और अतिक्रमण हटाकर सड़क का काम पूरा कराया। इस कार्रवाई में नायब तहसीलदार श्री लाल सिंह राजपूत, थाना प्रभारी बिजौरी श्रीमती कीर्ति भार्गव, राजस्व निरीक्षक श्री महेश ओझा व पटवारी श्री रणवीर पटेल सहित जिला प्रशासन व पुलिस के अन्य कर्मचारी शामिल थे।

कॉम्बिग गश्त के दौरान 284 फरार स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार कर 371 गुण्डा व हिस्ट्रीषीटरों को किया चेक

कॉम्बिंग गष्त के दौरान जिले के विभिन्न थानों में 196 स्थाई एवं 88 गिरफ्तारी सहित कुल 284 वारंटियों को किया गिरफ्तार और 371 गुण्डा, हिस्ट्रीषीटरों को किया चेक, कॉम्बिग गश्त के दौरान थाना पुरानी छावनी, महाराजपुरा तथा बिजौली में अवैध शराब के 01-01 प्रकरण तथा सट्टा के थाना ग्वालियर, इन्दरगंज एवं माधौगंज में 01-01 प्रकरण दर्ज किये, थाना जनकगंज में अवैध हथियार के 02 प्रकरण दर्ज किये गये और देहात के विभिन्न थानों में 04 अन्य प्रकरणों में भी अलग-अलग कार्यवाही की गई हैं।

ग्वालियर। जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने व आदतन अपराधियों पर षिकंजा कसने के उद्देष्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह,भापुसे के निर्देष पर ग्वालियर जिले में दिनांक 01/02.06.2025 की दरमियानी रात्रि शहर व देहात के थाना क्षेत्रों में देर रात तक कॉम्बिंग गष्त किया गया। इस दौरान अति0 पुलिस अधीक्षक(पूर्व/यातायात/अपराध) श्री कृष्ण लालचंदानी, अति0 पुलिस अधीक्षक(पष्चिम) श्री गजेन्द्र वर्धमान, अति0 पुलिस अधीक्षक(मध्य) श्रीमती सुमन गुर्जर, अति0 पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री निरंजन शर्मा एवं ग्वालियर पुलिस के समस्त राजपत्रित अधिकारियों द्वारा अपने-अपने अधीनस्थ थाना प्रभारियों के साथ मय पुलिस बल के ग्वालियर शहर एवं देहात क्षेत्र में कॉम्बिंग गष्त किया। कॉम्बिंग गष्त से पूर्व अनुभाग वार पुलिस बल को अलग-अलग स्थानों पर एकत्रित किया जाकर राजपत्रित अधिकारियों द्वारा फोर्स को ब्रीफकिया गया, उसके बाद अलग-अलग क्षेत्रों में कॉम्बिंग गष्त के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा शहर में स्वयं कॉम्बिंग गष्त का जायजा लिया और पुलिस अधिकारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देषित किया गया। ग्वालियर पुलिस की कॉम्बिंग गष्त से जिले के बदमाषों में हडकंप देखने को मिला है। ग्वालियर पुलिस के अधिकारियों द्वारा अधीनस्थ थाना बल के साथ अपने-अपने क्षेत्र में पैदल गष्त किया गया। इस दौरान उनके द्वारा फरारी बदमाषों, वारंटियों, गुण्डों, हिस्ट्रीषीटर बदमाषों एवं जिला बदर के आरोपियों की उनके घरों पर चैकिंग के साथ ही बैंक एटीएम एवं होटल, लॉज, धर्मषाला, ढाबों को भी चेक किया। इस गष्त के लिये पुलिस अधिकारियों द्वारा टीमें बनाकर शहर व देहात क्षेत्रों में संवेदनषील इलाकों में भी गष्त की गई। कॉम्बिंग गष्त के दौरान पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहनों तथा मुंह बांधे दो पहिया वाहन चालकों की विषेष तौर पर चेकिंग की गई।

कॉम्बिग गश्त के दौरान पुलिस ने जिले में कुल 196 स्थाई वारंट, 88 गिरफ्तारी वारंट तामील कराये गये साथ ही 190 गुण्डा एवं 181 हिस्ट्रीषीटरों को चेक किया। कॉम्बिग गश्त के दौरान थाना पुरानी छावनी, एवं महाराजपुरा तथा बिजौली में अवैध शराब के 01-01 प्रकरण तथा सट्टा के थाना ग्वालियर, इन्दरगंज एवं माधौगंज में 01-01 प्रकरण दर्ज किये गये। थाना जनकगंज में अवैध हथियार के 02 प्रकरण दर्ज किये गये और देहात के विभिन्न थानों में 04 अन्य प्रकरणों में भी अलग-अलग कार्यवाही की गई हैं। कॉम्बिंग गष्त के दौरान पुलिस द्वारा कई सक्रिय बदमाषों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई साथ ही गुण्डों एवं हिस्ट्रीषीटरों के रिकॉर्ड को अपडेट किया। शहर व देहात क्षेत्र की गली मौहल्लों में घूमकर पुलिस ने गुण्डे, बदमाषों की धरपकड़ की। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देष्य से यह कॉम्बिंग गष्त कराई गई। पुलिस टीमों द्वारा गुण्डों एवं बदमाषों तथा जिला बदर के आरोपियों के घर जाकर उनकी जानकारी ली गई, चैकिंग के दौरान प्रत्येक गुण्डा, बदमाष को चेतावनी भी दी गई कि यदि वह किसी भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है तो उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। जेल से रिहा होकर आये आरोपियों को भी चेक किया गया। अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देष्य से ग्वालियर पुलिस द्वारा की गई यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कृष्ट अभियान के तहत ग्वालियर जिले के 10 ग्रामों का हुआ चयन

इन गाँवों में 15 से 30 जून तक विशेष शिविरों का होगा आयोजन, कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जनजाति के हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के दिए निर्देश

ग्वालियर। भारत सरकार के जन जातीय कार्य मंत्रालय द्वारा धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कृष्ट अभियान के अंतर्गत चिन्हित ग्रामों में जागरूकता कार्यक्रम एवं विशेष शिविरों का आयोजन किया जायेगा। ग्वालियर जिले में इस अभियान के तहत 10 गाँवों का प्रारंभिक चयन किया गया है। इन ग्रामों में 15 से 30 जून तक अभियान बतौर शिविर लगाए जायेंगे। अभियान का उद्देश्य आदिवासी क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और व्यक्तिगत लाभों की पूर्ण पहुँच सुनिश्चित करना है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने धरती आबा अभियान के तहत आयोजित होने जा रहे शिविरों के माध्यम से सहरिया जनजाति के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकार की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ पहुँचाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सभी संबंधित विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से छूटे नहीं। जिन गाँवों में 50 फीसदी या 500 से अधिक आदिवासी आबादी है वह धरती आबा के लिये चयनित किए गए हैं। ग्वालियर जिले में 10 गाँवों का प्रारंभिक चयन हुआ है। इन ग्रामों में विकासखंड घाटीगाँव के अंतर्गत सहरिया जनजाति बहुल ग्राम चराई श्यामपुर, घेंगोली, बरहाना, कैत, दुरसेंडी, घाटीगांव व उम्मेदगढ़, विकासखंड डबरा का आदिवासी बहुल ग्राम सिरोल व लिधौरा एवं भितरवार विकासखंड का आदिवासी बहुल ग्राम सिलहा शामिल है। धरती आबाअभियान के तहत 15 जून से 30 जून तक लगने जा रहे शिविरों में विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राही चिन्हित करने के साथ-साथ योजनाओं का लाभ भी दिलाया जायेगा। शिविरों में वयोवृध कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र व आयुष्मान भारत कार्ड बनाए जायेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री उज्जवला गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री जनधन खाता, जीवन बीमा, वृद्धावस्था, विधवा व दिव्यांग पेंशन का लाभ दिलाया जायेगा। इसके अलावा मनरेगा, मुद्रा लोन, पीएम विश्वकर्मा योजना, मातृ एवं शिशु रक्षा के लिए टीकाकरण व आंगनबाड़ी का लाभ आदि सेवाएं भी संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर दिलाई जायेंगी। अभियान में स्वास्थ्य, खाद्य ग्रामीण विकास, समाज कल्याण, कृषि, राजस्व पंचायत और अन्य विभागों का समन्वय किया गया है। कॉमन सर्विस सेंटर सीएससी के माध्यम से आधार ई-केवाईसी और दस्तावेजीकरण की सेवाएं भी प्रदान की जायेंगी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और स्थानीय स्वयं सेवकों की मदद से लाभार्थियों की पहचान की जा रही है। साथ ही विभाग द्वारा व्यापक प्रचार प्रसार कराया जा रहा है। सभी शिवरों की निगरानी के लिए एक विशेष रिपोर्टिंग प्रणाली विकसित की गई है।

उद्योगों का विस्तार कार्य पद्धति में सुधार विषय पर कार्यशाला 4 जून को

ग्वालियर। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा लघु उद्योग भारती संस्था के सहयोग से 4 जून को उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार विषय पर कार्यशाला आयोजित की जायेगी। इस दिन यह कार्यशाला दोपहर 2 बजे औद्योगिक क्षेत्र महाराजपुरा के सामने भिण्ड रोड पर स्थित होटल रॉयल क्लास में रखी गई है। महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र श्री के एस सोलंकी ने बताया कि कार्यशाला में सरकार की सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) पॉलिसी, आईपीआर (IPR) व जैम (GeM), लीन मैनेजमेंट (LEAN) एवं जेड सर्टिफिकेशन (ZED) जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जायेगी। साथ ही उद्यमियों को बताया जायेगा कि उद्योगों के विस्तार के लिये कार्य प्रणाली में किस प्रकार के सुधार करें, जिससे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मापदण्डों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के उत्पादों का निर्माण हो।

बरसात से पहले पूरा कराएँ सभी जल संरचनाओं का काम

प्रभारी जिला पंचायत सीईओ श्री सत्यम ने बैठक लेकर दिए निर्देश

ग्वालियर। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में निर्माणाधीन जल संरचनाओं एवं पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार कार्य की समीक्षा की गई। सोमवार को जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुई बैठक में जिला पंचायत के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार सत्यम ने जनपद पंचायतों के सीईओ एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अधिकारियों को बरसात से पूर्व गुणवत्ता के साथ सभी संरचनाओं का काम पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के प्रभारी अधिकारी तथा कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवाएं उपस्थित रहे। साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले की सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सहायक यंत्री, उपयंत्री तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी बैठक में शामिल हुए।

संभाग आयुक्त कार्यालय में हुआ राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन

ग्वालियर। जून माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर संभाग आयुक्त कार्यालय में राष्ट-गीत ÷वंदे-मातरम÷ एवं राष्ट-गान ÷जन-गण-मन÷ का सामूहिक गायन हुआ। राष्टगान व राष्टगीत के गायन में संभाग आयुक्त कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

संपादकीय

जाति आधारित राजनीति

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जातिगत जनगणना से विकास के विभिन्न क्षेत्रों में पीछे छूट गए लोगों की मदद की बात की। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता और स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी की सटीकता पर भी विचार रखे। सम्मेलन में मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ और सुशासन के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। जातिगत जनगणना को लेकर सरकार ने अचानक अपनी रणनीति बदली है। 1931 के बाद देश में जातिगत जनगणना नहीं हुई, तब पिछड़ी जातियां 52 प्रतिशत थीं। जाति आधारित राजनीति के पांव जमाने से पहले आजादी के तुरत बाद 1951 से दलितों व जनजातियों की अलग से गणना होने लगी। जातिवादी राजनीति के हावी होते ही, विपक्ष लंबे अरसे से जातिगत जनगणना की मांग कर रहा है। जिस पर मोदी सरकार ने कभी रुख स्पष्ट नहीं किया। मगर संघ के जातिगत जनगणना के समर्थन में विचार देते ही सरकार ने इसकी घोषणा कर दी। तर्क है कि वंचितों के लिए नीतियां बनाने में आसानी होगी तो इसका विरोध करने वाले मानते हैं इससे समाज में दरारें आ सकती हैं। जातियों को वोट बैंक के नाम पर भुनाने वाले और आरक्षण समर्थकों के लिए नये मुद्दे उभर कर सामने आ सकते हैं। वास्तव में अतिपिछड़ों व वंचितों के उत्थान के लिए उठाए गए कदम अपनी भूमिका निभाने में असफल नजर आते हैं। आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सशक्तिकरण के बगैर समानता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। योजनाओं और प्रचार में अव्वल सरकार के लिए ये सिर्फ शिगूफे न साबित हों, यह ख्याल किया जाना जरूरी है। रही बात पाक से संघर्ष की तो इसके लिए सशस्त्र बलों के बलिदान और साहस पर समूचा देश भाव-विह्वल है। मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों का फर्ज है, वे शहीदों व युद्ध प्रभावितों के परिजनों की भरपूर मदद करने में कोई कोताही न करें। दुश्मन मुल्क से लगी सीमा के रहवासियों को हुई जान-माल की भरपाई की भी अनदेखी नहीं होनी चाहिए। बंद कमरों में आला-कमान की प्रशस्ति काफी नहीं कही जा सकती। हालांकि देश के राजनीतिक दलों में जिस तरह का अधिनायकवाद हावी है, वहां आंतरिक लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जबकि इन बैठकों में सरकारी योजनाओं व कार्यप्रणाली की आलोचनात्मक बात होनी चाहिए और सरकारी सहायता पहुंचाने में जनप्रतिनिधियों में जिम्मेदारीपूर्णता से निर्वहन की खुली चर्चा होनी चाहिए।

अद्भुत, अनुपम,अलौकिक महातीर्थ केदारनाथ

(रमाकान्त पन्त-विभूति फीचर्स)

हिमालय की गोद में बसा उत्तराखण्ड आध्यात्मिक दृष्टि से विश्व की अद्भुत, अनुपम एवं अलौकिक धरोहर है। यहां स्थित ज्योतिर्लिंग केदारनाथ की महिमा भी पुराणों के अनुसार अतुलनीय है। अनेक धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के इस पावन धाम का वर्णन मिलता है। उत्तराखण्ड स्थित चार धामों में केदारनाथ धाम का बड़ा महत्व है। रुद्रप्रयाग जिले में स्थित गौरीकुण्ड से लगभग 16 किलोमीटर उत्तर की ओर मंदाकिनी नदी के किनारे समुद्र तल से 3584 मीटर की ऊंचाई पर केदारनाथ भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। केदार क्षेत्र सभी तीर्थों में उत्तम तीर्थ कहा गया है। स्वयं भगवान शिव पार्वती से यह बखान करते हुए कहते हैं कि जो केदारनाथ के दर्शन कर श्रद्धापूर्वक मेरी पूजा करता है मैं उसके हृदय में स्वयं प्रकट होता हूं।

केदारक्षेत्र माख्यातं तीर्थानां तीर्थ मुक्तमम्।
शिवलिंग प्रजायेत हृदि तस्य महेश्वरी।।

(42 अ. 2 श्लोक 42 व 43) (स्कंद पुराण,केदारखण्ड)

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार केदारनाथ मंदिर के समीपवर्ती क्षेत्रों में स्थित देवालयों का भी विशेष महत्व है, जिनमें तुंगनाथ, रुद्रनाथ, मद्महेश्वर, कल्पेश्वर आदि हैं जहां शिवजी की विविध रूपों में पूजा होती है। केदारनाथ में शिवलिंग, तुंगनाथ में शिवजी की भुजा, रुद्रनाथ में मुख, मद्महेश्वर में नाभि और कल्पेश्वर में उनकी जटा की विशेष पूजा-अर्चना का विधान है। भगवान केदारनाथ जी की महिमा का एक स्वरूप मध्यमहेश्वर चौखंबा पर्वत चोटी की तलहटी पर 3328 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है जो वास्तुशिल्प का अद्वितीय उदाहरण है। यहां से केदारनाथ व नीलकंठ पर्वत श्रृंखलाओं के दर्शन होते हैं। पुराणों में वर्णित पंच केदार नामक तीर्थों में से एक इस तीर्थ का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आता है। महादेव माता पार्वती को इस स्थल के बारे में बताते हुए कहते हैं कि इसके दर्शन से मनुष्य सदा स्वर्ग में वास करता है तस्य वै दर्शनान्मर्त्यो नाकपृष्ठे वसेत्सदा। घोर कलियुग में मध्यमेश्वर के दर्शन से मनुष्य धन्य हो जाते हैं- धन्या कलियुगे घोरे मध्यमेश्वरदर्शनात। रुद्रप्रयाग गोपेश्वर मार्ग में चौपता से तीन किमी. की दूरी पर स्थित तुंगनाथ शिखर पंच केदार का ही स्वरूप है। यहां स्थित भगवान शिव के मंदिर में उनकी पूजा, समुद्र तल से 3680 मीटर की ऊंचाई पर होती है। पुराणों में मांधाता क्षेत्र के दक्षिण दिशा में दो योजन चौड़ा, दो योजन लम्बा, पापनाशक तथा सकल कामनादायक तुंगनाथ के पवित्र क्षेत्र का महात्म्य मिलता है। पुराणों के ही माध्यम से स्वयं महादेव ने महादेवी को बताया है। जो तुंगनाथ

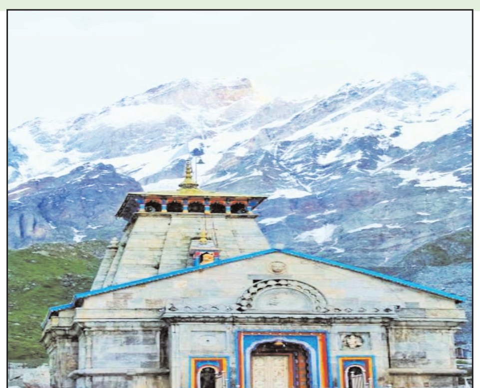

नामक मेरे लिंग का पूजन करता है। उस महात्मा के लिए तीनों लोकों में कुछ भी दुर्लभ नहीं रह जाता है।

सम्पूज्य मम लिंग वै तुंगनाथस्थानकम्।
दुर्लभ त्रिषु लोकेषु नास्ति तस्य महात्मनः।।

जहां तुंगनाथ में भगवान शिव की भुजा की पूजा होती है वहीं रुद्रनाथ में उनकी मुखाकृति की पूजा की जाती है। ऋषिकेश-गोपेश्वर मार्ग पर सागर से 22 किमी. की दूरी पर स्थित यह स्थान समुद्र तल से 2286 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है जो तीर्थों में उत्तम तीर्थ है। इस स्थान पर देवताओं ने अंधक नामक असुर का वध कर देवताओं को उनका राजपाट वापस दिलाया था। ज्योतिर्लिंग केदारनाथ की अलौकिक लीला के क्षेत्र कल्पेश्वर के दर्शन का महत्व केदार क्षेत्र में समस्त पापों का नाशक है। कल्पेश्वर के शिव मंदिर में शिवजी की जटाओं की पूजा होती है। यह स्थान दुर्वासा ऋषि की तपःस्थली रही है। समुद्र तल से 2134 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान ऋषिकेश बद्रीनाथ मार्ग पर हेलंग से 12 किमी. दूर स्थित है। प्राकृतिक रूप से सुन्दर इस मंदिर में भक्तजन बरबस ही खिंचें चले आते हैं। इसी स्थान पर भगवान विष्णु तथा इन्द्रादि देवताओं ने ऋषि दुर्वासा के श्राप से लोप हुई लक्ष्मी को पुनः प्राप्त करने हेतु शिवजी की कठोर तपस्या की। प्रसन्न शिव ने समुद्र मंथन का उपाय बताकर देवताओं का उद्धार किया। इस स्थान पर पूर्व में कल्प वृक्ष होने की भी बात कही जाती है। पंचकेदार के रूप में संसार का मंगल करने वाले भगवान केदारनाथ का प्राचीन मंदिर महाभारत कालीन बताया जाता है।

शब्द सामर्थ्य -067

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे
1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

1		■	2	3	4	■	5	6
	■	7				8	■	
9			■	10				
	■		■	■	■	12	■	
■	11		12		■	■	13	
14		■		■	■	15		■
16		■	17	18	19			■
20		21	■	22		■	■	■
	■		■	23				■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 066 का हल

ग	ल	त	■	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	■	रं	■	■	मि
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

सामाजिक न्याय में लोक आचरण सर्वाधिक महत्वपूर्ण

अवधेश कुमार

लालू प्रसाद यादव जी ने तेज प्रताप को परिवार और पार्टी दोनों से बाहर कर दिया है। उनका पूरा स्टैंड उनके अनुसार नैतिक आधार पर है। यानी सामाजिक न्याय में लोक आचरण सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है और उनके बड़े सुपुत्र तेजप्रताप यादव ने इसका उल्लंघन किया है। इसी की सजा उनको दी गई है। निश्चित रूप से परिवार के लिए यह बहुत बड़ा धक्का है। किसी भी पिता और मां का अपने बड़े पुत्र को बाहर करने का निर्णय करना आसान नहीं होता। इस नाते पहली दृष्टि में लालू जी और राबड़ी देवी जी के प्रति सहानुभूति का भाव पैदा होता है। किंतु वे कोई सामान्य परिवार नहीं है। जो कुछ भी हुआ उनमें ऐसे अनेक प्रश्न हैं, जिनका उत्तर सार्वजनिक जीवन खासकर राजनीति में होने के कारण उन्हें देना चाहिए। लालूजी का परिवार बिहार में इस समय सबसे ज्यादा अकेले प्रभावी राजनीतिक परिवार माना जा सकता है। यद्यपि वे विपक्ष में है किंतु बिहार में परिवार की दृष्टि से कोई ऐसा नहीं बचा जिनकी हैसियत उतनी बड़ी हो। दो पूर्व मुख्यमंत्री, एक उप मुख्यमंत्री, एक पूर्व मंत्री, एक सांसद और तीन विधायक। ऐसे परिवार के सबसे बड़े सुपुत्र की किसी लड़की के साथ लंबे रिश्तों की बात सामने आती है और वह अमर्यादित है तो इस पर बवाल मचेगा। धीरे-धीरे ऐसा माहौल बना है जिसमें दो व्यक्तियों खासकर स्त्री-पुरुष के संबंधों पर लिखने और बोलने से हम आप बचना चाहते हैं। देश में एक अजीब किस्म के वामपंथी लिबरल सेक्युलर इकोसिस्टम ने खासकर स्त्री पुरु ष और उसमें भी विवाहेतर संबंधों को लेकर भी पढ़े-लिखे वर्ग के बीच ऐसा मानस तैयार किया है मानो यह भी उनका निजी मामला ही है। राजद का तर्क है कि लालू जी ने स्वयं स्टैंड ले लिया है तो इसके आगे कुछ कहने के लिए बचता नहीं। किंतु क्या वाकई इसे ही पूर्ण विराम मान लिया जाए? तेज प्रताप यादव के एक्स पर पोस्ट आता है जिसमें वह अनुष्का यादव से 12 वर्ष के अपने रिश्तों और लिव इन में रहने की बात स्वीकार करते हैं। कहते हैं कि अब समय आ गया है जब मैंने सोचा इसे सार्वजनिक कर दिया जाए। बाद में वह पोस्ट डिलीट हो जाता है। उनका बयान आता है कि अकाउंट हैक हो गया था एवं एआई के द्वारा इसे लिखा गया। लालू यादव द्वारा उन्हें पार्टी से 6 वर्ष के लिए निष्कासन तथा परिवार से अलग करने की घोषणा ने स्पष्ट कर दिया कि पोस्ट की बातें सच हैं। अगर यह सच है कि परिवार को तेज प्रताप के इस अपकर्म की जानकारी नहीं थी और उन्होंने केवल सार्वजनिक जीवन में शुचितापूर्ण आचरण को निर्णय का मानक बनाया है तो उन्हें प्रशंसा का पात्र माना जाना चाहिए। किंतु जितने तथ्य सामने हैं, उनके अनुसार लाल यादव से लेकर राबड़ी देवी और संपूर्ण परिवार को इस संबंध का पता था। तेज प्रताप की अभी तक कानूनी पत्नी, जिनके साथ उनका तलाक का मामला चल रहा है, कि मां ने कहा है कि इसमें नया कुछ नहीं सबको पता है। वैसे भी अगर 12 वर्ष से संबंध है तो फिर सात वर्ष पहले 2018 में लालू यादव जी और राबड़ी जी ने तेज प्रताप की ऐर्या यादव से शादी क्यों कराई? अभी अचानक तीसरा ऑडियो भी वायरल है।

प्रकृति का करो सदा श्रृंगार

प्रकृति का करो सदा श्रृंगार
वृक्ष लगाओ, जीव बचाओ, भरो नीर भंडार,,,,
सुप्रभात ही कलरव करते,
चहक चहक खग गगन विचरते,
मन मोहक लगता है जब भी,
कोयल गाए मल्हार
प्रकृति का झर झर बहते झरने निर्झर ,
गीत गा रहे मधुर मधुर स्वर,
ऊंचे पर्वत सुन पाओगे,
मन के ही उदगार,
प्रकृति का कहते हैं सब जल ही जीवन,
जल है तो कल वन और उपवन,
मिला सृष्टि से हम सब को ही,
सुंदरतम उपहार,
प्रकृति का गर न मिलेगी हवा शुद्ध जब,
जीना मुश्किल होगा ही तब,
रुक जायेंगी सांसे तेरी
छूटेगा संसार प्रकृति का करो सदा श्रृंगार

डॉ प्रतिज्ञा गुप्ता
गुरसराय झांसी
उत्तर प्रदेश
9455719196

राशिफल

मेष
मेष राशि वालों का आज का दिन बेहतर रहने वाला है। आज लंबे समय से चल रही किसी समस्या से आपको निजात मिलेगा और आपकी चतुराई और योग्यता की सराहना होगी। आज किसी अनुभवी के मार्गदर्शन से प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री संबंधी रुका काम पूरा हो जाएगा। कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी और विशेष मुद्दों पर बातचीत भी होगी जो कि सकारात्मक रहेगी। शाम को परिवार के साथ कोई मनोरंजन प्रोग्राम भी बन सकता है। आज आपको कोई शुभ सूचना मिलने वाली है। व्यापार में आपको अपने सहयोगियों की हेल्प मिलेगी और ज्यादा से ज्यादा लाभ होगा।

वृषभ
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ी की स्थिति रहेगी लेकिन कार्य भी सुचारू रूप से बनते जाएंगे। सूझबूझ और व्यवहार कुशलता से अपने काम के प्रति व्यस्त रहेंगे। आज व्यस्ततम दिनचर्या रहेगी लेकिन आप अपने कार्यों को सहज ही पूरा भी कर लेंगे। आज कार्यक्षेत्र में बदलाव संबंधी कुछ योजनाएं बनेंगी और योजनाबद्ध तरीके से काम करना आपको मन मुताबिक सफलता भी देगा। आज कोई भी बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की राय की अनदेखी करने की भूल न करें।

मिथुन
आपके लिए आज का दिन खास होने वाला है। किसी भी नए निवेश के बारे में प्लान करें, आपको अच्छा लाभ हो सकता है। घर में किसी नन्हें मेहमान के आगमन संबंधी शुभ समाचार मिलने से उत्सव का माहौल रहेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से किए गए काम में आपको सफलता मिलेगी। आज कोई भी विशेष निर्णय लेते समय बेहतर होगा कि आप किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लें, इससे काम में आसानी भी होगी। परीक्षा प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे लोगों को कठिन परिश्रम की आवश्यकता रहेगी।

कर्क
कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे तो आपकी उपस्थिति को महत्व मिलेगा। कोरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज फायदा मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का आज समाज में दबदबा बना रहेगा। आज रुका हुआ पैसा मिल सकता है। हालांकि, दिन की शुरुआत में चुनौतियां रहेंगी लेकिन किसी अनुभवी की मदद से रास्ते आसान हो जाएंगे और कामों में भी सफलता मिलेगी। घर का माहौल सुकूनदायक रहेगा। इस राशि की महिलाएं अपना बिजनेस स्टार्ट कर सकती हैं, अधिक लाभ होगा।

सिंह
आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कार्यस्थल पर गंभीरता और ईमानदारी से अपने प्रोजेक्ट को अंजाम दें, इस समय आपकी तरक्की के भी योग बन रहे हैं। आज समय आपके पक्ष में है। काम आसानी से बनेंगे और किसी नई योजना पर भी काम करने का अवसर मिलेगा। परिवार और फाइनेंस से संबंधित लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय सकारात्मक रहेंगे और पिछले कुछ समय से चल रही किसी समस्या का भी निदान होगा। आज घर में सुख-शांति भरा माहौल रहेगा। आज किसी भी अनजान व्यक्ति पर ज्यादा विश्वास न करें, आपको नुकसान हो सकता है।

कन्या
आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने बड़े भाई से प्रॉपर्टी से रिलेटेड कोई बात करेंगे और फाइनेंस संबंधित कुछ योजनाएं बनेंगी। आज आपका काम करने का जुनून आपको मेहनत करने की क्षमता प्रदान करेगा। आज किसी भी ऑफिशियल यात्रा को करने के लिए समय अनुकूल है। आज पारिवारिक सदस्यों के बीच प्रेम और सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। लवमेट में एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान और विश्वास रखेंगे। आज आपका किसी इंटरव्यू में सलेक्शन होगा और अच्छी जॉब मिलेगी। आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

तुला
आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप करीबी व्यक्ति के बारे में गहराई से विचार करके रिश्ता सुधारेंगे। आज जिम्मेदारियां रहेंगी, लेकिन उनसे भागने के बजाय उन्हें बेहतर तरीके से पूरा करने की कोशिश करेंगे। आज जल्दबाजी और भावुकता में कोई निर्णय न लें। आज कारोबारी महिलाओं को पारिवारिक और व्यवसायिक तालमेल बनाकर रखना है। कोई ऑफिशियल यात्रा करना लाभदायक रहेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपको कोई उपहार आदि भी मिल सकता है। आप अपने दोस्तों के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान बनाएंगे।

वृश्चिक
वृश्चिक राशि वालों के लिए आज का दिन सामान्य रहने वाला है। आज किसी भी नकारात्मक स्थिति में घबराने के बजाय उसका समाधान ढूंढें तो जल्दी ही हल भी मिलेगा। वाहन अथवा किसी महंगे उपकरण के खराब होने से बड़ा खर्चा सामने आएगा। आज अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव लाने से नए अवसर मिलने वाले हैं। दोपहर के बाद आपको अपने भविष्य से संबंधित कोई खुशखबरी भी मिलने वाली है। अपने किसी खास मिशन को लेकर किए गए प्रयास सफल होंगे।

धनु
आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी और आप सामान की खरीददारी करने मार्किट जा सकते हैं। आज कारोबार में नई तकनीक का इस्तेमाल करने संबंधी कार्य प्रणाली पर विचार-विमर्श होगा। योजना को गति देने में आपकी मेहनत बनी रहेगी। लवमेट के साथ मुलाकात का अवसर मिलेगा। आज घर के बड़े व्यक्तियों की सलाह और मार्गदर्शन पर अमल करने से समाधान भी मिलेंगे। इस राशि के जो लोग बड़ी कंपनियों में काम करते हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद खास है।

मकर
आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी भी काम को करने से पहले उससे संबंधित उचित जानकारी हासिल करेंगे, फिर उस पर काम करेंगे। इससे आपको बेहतर परिणाम हासिल होंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। घर में बुजुर्गों का भी प्यार और आशीर्वाद शांतिपूर्ण माहौल बनाकर रखेगा। किसी रुके हुए काम को पूरा करने में सफलता मिल सकती है। आज आपकी कठिन परिस्थितियों में आपका परिवार आपकी ढाल बनकर सामने रहेगा, इससे आपको साहस मिलेगा। स्वास्थ्य से रिलेटेड परेशानी आज दूर होगी। आप एनर्जेटिक रहेंगे।

कुंभ
आपके लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सकारात्मक सोच जीवनयापन में आपकी मदद करेगी। आज घर तथा बाहर दोनों जगह किसी बड़े फैसले को लेने में आपका विशेष योगदान रहेगा। अगर कहीं पैसा फंसा हुआ है, तो उसकी वसूली के लिए प्रयास करें, सफलता मिल सकती है। धार्मिक संस्था के लिए आपका योगदान रहेगा। मांगलिक कार्य होने के भी योग बन रहे हैं। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा, एक-दूसरे को बेहतर समझेंगे। सफेद रंग और 8 नंबर आपके लिए लकी है।

मीन
आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज पारिवारिक सदस्यों के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर सहमति बन जाने से राहत की सांस लेंगे। छोटों की गलतियों को माफ करते चलेंगे और वरिष्ठ लोगों के मार्गदर्शन पर अमल करेंगे। किसी भी योजना के पहले उचित रूपरेखा बनाएं, बाद में उस पर काम करें। आज किसी पॉलिसी में निवेश करने की योजना बन रही है, तो दिन शुभ है। आपको किसी करीबी रिश्तेदार से मिलने का अवसर मिलेगा। परिवार में खुशी का माहौल बनेगा। काला रंग और 4 नंबर आपके लिए लकी है।

पद्मश्री डॉ. संतराम देशवाल का साक्षात्कार

जीवन में सात सूत्रों का पालन हर व्यक्ति को सफल बना सकता है

(नरेंद्र शर्मा परवाना-विभूति फीचर्स)

साहित्य, पत्रकारिता, शिक्षा और सामाजिक कार्यों में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले डॉ. संतराम देशवाल को हाल ही में भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया है। एक प्रख्यात कवि, लेखक, शिक्षक और पत्रकार के रूप में उनकी 70 वर्ष की जीवन गाथा प्रेरणादायी है और यह दर्शाती है कि मेहनत, अनुशासन और सामाजिक सरोकार से जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। इस साक्षात्कार में हम उनके बचपन, लेखन की शुरुआत, संघर्ष, सफलता और डिजिटल युग के प्रति उनके विचारों को जानेंगे। इस प्रेरक व्यक्तित्व के जीवन के अनछुए पहलुओं को खोजने और उनकी सोच से प्रेरणा लेने के लिए हमने उनसे बात की। प्रस्तुत हैं उनसे साक्षात्कार के संपादित अंश-

प्रश्न - आपकी लेखन यात्रा की शुरुआत कैसे हुई?

उत्तर - मेरी लेखन यात्रा की शुरुआत हुई तब मैं मात्र पांच-छः वर्ष वर्ष का था। मेरे गांव खेड़का गुर्जर (जिला झज्जर, हरियाणा) में एक बुजुर्ग का बेटा फौज में था। उनकी चिट्ठी आई, लेकिन गांव में पढ़ने वाला कोई नहीं था। मैं घर के बाहर चौतरे पर बैठा था, तो उन्होंने मुझे चिट्ठी पढ़ने को कहा। मैंने हिम्मत जुटाकर धीरे-धीरे पढ़ी और फिर उनकी चिट्ठी लिखी। इससे गांव में मेरी पहचान बनी। धीरे-धीरे चिट्ठियां लिखते-लिखते मैं किताबें लिखने लगा। यही मेरी लेखन यात्रा का प्रारंभ था।

प्रश्न - आपके परिवार और गांव की पृष्ठभूमि के बारे में बताएं।

उत्तर - मैं हरियाणा के झज्जर जिले के खेड़का गुर्जर गांव से हूं। मेरे दादाजी श्री मोहन लाल देशवाल और दादी श्रीमती देवी थीं। मेरे पिताजी श्री सदाराम देशवाल का देहांत तब हुआ, जब मैं चार साल का था। मेरी माताजी दड़का देवी थीं। मेरी पत्नी डॉ. राजकला देशवाल, जो मुरथल के राजकीय महिला महाविद्यालय से उप प्राचार्य के पद से सेवानिवृत्त हुई हैं। मेरे दो बेटे हैं उदित सौम्य देशवाल (पावर ग्रिड में डीजीएम) और गोपेंद्र देशवाल (पेप्सी कोला में मार्केटिंग में) हैं। मेरी दो पोतियां, देवांगना और तारांगना, मेरे जीवन की खुशी हैं।

प्रश्न - लेखन में आपके प्रेरणा स्रोत कौन है? सामाजिक या व्यक्तिगत सरोकार?

उत्तर- मेरा लेखन सामाजिक दृष्टिकोण से प्रेरित है। जब मैं सामाजिक विडंबनाएं, अन्याय या संस्कृति के प्रति उपेक्षा देखता हूं, तो मेरे मन में तीव्र भावनाएं जागती हैं। ये मुझे तब तक चैन नहीं लेने देती, जब तक मैं उन्हें कागज या अब मोबाइल पर न उतार लूं। मेरा मानना है कि साहित्य समाज के हित के लिए होना चाहिए, न कि केवल मनोरंजन या व्यक्तिगत लाभ के लिए।

प्रश्न- जीवन में संघर्ष और निराशा से कैसे उभरे?

उत्तर- मैंने कभी गहरी निराशा या अवसाद का अनुभव नहीं किया, लेकिन जब भी परेशानियां आईं, मैं लेखन में डूब गया। चाहे कविता हो, निबंध हो या कोई अन्य विधा, लेखन ने मेरा हर दुःख भुला दिया। यह मेरा सबसे बड़ा सहारा रहा है। मैं दूसरों को भी यही सलाह देता हूं कि कठिन समय में लेखन या रचनात्मक कार्य में डूब जाएं।

प्रश्न- आपकी कोई प्रिय काव्य पंक्ति जो आपके जीवन का मूलमंत्र हो?

उत्तर-मेरी प्रिय पंक्तियां हैं- मेहनत से मुकद्दर भी बदल जाते हैं, विश्वास से पत्थर भी पिघल जाते हैं।

मेहनत करके तो देखो यारों, मेहनत से रास्ते भी बदल जाते हैं।

प्रश्न- सफलता और सम्मान के बाद अहंकार को कैसे नियंत्रित करते हैं?

उत्तर-मैंने कभी अहंकार को पनपने नहीं दिया। मैं सहज जीवन जीता हूं। हाल ही में एक कार्यक्रम में मंच पर मेरा विधायक मेरा नाम लेना भूल गए तो चायपान के समय मैंने सहजता से उन्हें समझाया। मैं लोगों के बीच घुलमिल जाता हूं, चाहे वे सेल्फी लें या बात करें। मुझे लगता है कि समाज और ईश्वर सब देखता है, और मैं जैसा हूं, वही ठीक हूं।

प्रश्न- डिजिटल युग को आप कैसे देखते हैं? इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलू क्या हैं?

उत्तर- शुरू में मुझे लगा था कि कंप्यूटर बेरोजगारी लाएगा, लेकिन अब मैं समझता हूं कि डिजिटल क्रांति को रोकना असंभव है। हमें इसके सकारात्मक पहलुओं को अपनाना चाहिए। यह लेखन को आसान बनाता है अब मैं कागज की बजाय मोबाइल पर लिखता हूं। लेकिन नकारात्मक प्रभाव, जैसे बच्चों का मोबाइल में खो जाना, चिंताजनक है। माता-पिता को समय निर्धारित करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे सकारात्मक सामग्री देखें।

प्रश्न - आपको प्राप्त प्रमुख पुरस्कारों के बारे में बताएं।

उत्तर - 2004 में मेरी पहली पुस्तक लोक आलोक (ललित लोक निबंध) को हरियाणा साहित्य अकादमी से सर्वश्रेष्ठ पुस्तक का पुरस्कार मिला। 2009 में मेरी काव्य पुस्तक अनकहे दर्द को भी सर्वश्रेष्ठ पुस्तक का पुरस्कार मिला। 2014 में मुझे जन कवि मेहर सिंह सम्मान और 2018 में महाकवि सूरदास साहित्य साधना सम्मान (5 लाख रुपये) प्राप्त हुआ। हाल ही में भारत सरकार ने मुझे पद्मश्री से सम्मानित किया, जो मेरे लिए सबसे सुखद क्षण था।

प्रश्न- आपकी जिंदगी का सबसे खुशी का क्षण कौन सा है?

उत्तर- पद्मश्री प्राप्त करने का क्षण मेरे लिए सबसे खुशी का था। 27 तारीख की रात को मैं उत्साह के कारण सो भी नहीं सका। यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, मेरे विद्यार्थियों, शुभचिंतकों और समाज के लिए है।

प्रश्न- जीवन में सफलता के सूत्र क्या हैं?

उत्तर- मेरे अपने जीवन में सफलता के सात सूत्र हैं,जिनका पालन कर हर एक व्यक्ति सफल हो सकता है।

1. मेहनत-सफलता की इमारत का पहला पत्थर है निरंतर कठिन परिश्रम।
2. अनुशासन- लक्ष्य तक पहुंचने का सीधा मार्ग है आत्मअनुशासन।
3. संकल्प शक्ति-अडिग संकल्प ही असंभव को संभव बनाता है।
4. अधिक से अधिक पढ़ना - व्यापक अध्ययन से ही दृष्टिकोण की गहराई बढ़ती है।
5. मौलिकता - सृजनशीलता की जड़ है मौलिक सोच।
6. ज्ञान अर्जन-निरंतर ज्ञान ही व्यक्तित्व को प्रखर बनाता है।
7. सकारात्मक सोच- हर चुनौती में अवसर ढूंढ़ने की कला है सकारात्मक दृष्टिकोण।

इन सूत्रों को अपनाकर कोई भी किसी भी क्षेत्र में सफलता पा सकता है।

प्रश्न- आपकी सबसे प्रिय पुस्तक का नाम?

उत्तर- मेरी हालिया पुस्तक जिंदगी और बता (कविता संग्रह) मुझे सबसे प्रिय है।

प्रश्न- आपके जीवन को सफल बनाने वाले एक शिक्षक?

उत्तर- डॉ. ईश्वर दत्त रेढ़ू, मेरे संस्कृत के प्रोफेसर रहे हैं।

प्रश्न- मृत्यु से पहले आप एक चीज चुन सकते हैं, तो क्या चुनेंगे?

उत्तर-मैं पुस्तकें चुनूंगा। मेरे लिए अच्छी पुस्तकें ही सब कुछ हैं।

देश,धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए दशोरा नागर समाज ने कई आहुतियां दीं :मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंदसौर में हुए मां कुलदेवी पूजन कार्यक्रम में वर्चुअली हुए शामिल

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दशोरा नागर समाज ने देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए कई आहुतियां दीं है। समाज ने कठिनाइयों के बीच भी अपनी परंपराएं और पहचान बनाए रखी। व्यापार, व्यवसाय के साथ ही पूजा पाठ में शुद्धता और प्रक्रियाओं की सटीकता के साथ कर्म संपादित करना इस समाज की विशेषता रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मंदसौर में हुए समाज के मां कुलदेवी पूजन कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। दशोरा समाज प्रतिवर्ष ज्येष्ठ शुक्ल सप्तमी के दिन शिवना नदी में विराजित मां कुलदेवी की पूजन अर्चन करता है। मंदसौर में हुए कार्यक्रम में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, समाजजन, जनप्रतिनिधि तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर भगवान हाटकेश्वर एवं मां कुलदेवी को नमन किया और उपस्थितजनों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दशोरा समाज ने संस्कृति को सहेजने का काम किया और आक्रमणों के समय अपने धर्म को बचाए रखा। दशोरा समाज कलम का धनी होने के साथ-साथ भोजन एवं पकवान बनाने में भी निपुण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सभी बहनों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने समाजजन से देश एवं समाज के विकास में सहभागी बनने का आव्हान किया।

अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता देवी चित्रलेखा प्रेस से मुखातिव हुई

मेहगांव भुमियां बाबा सरकार पर चल रही श्रीमद भागवत कथा मे आज सष्ठी दिवस के अंतर्गत अंतराष्ट्रीय श्रीमद भागवत कथा प्रवक्ता देवी चित्रलेखा जी दोपहर 2 बजे अशोक भारव्दाज की कोठी ग्वालियर रोड मेहगांव पर प्रेसवार्ता मे महामंड्लेश्वर हरीओम दास के साथ उपस्थित हुई, देवी जी ने अपने संछिप्त परिचय मे बताया कि देवी जी के व्दारा सात वर्ष की उम्र मे सबसे पहली श्रीमद भागवत कथा बाचन व्रंदावन धाम मे किया जिसमे हजारों की संख्या मे भक्तो ने कथा स्त्रवण किया। साथ ही गाय की वदहाली को देखते हुऐ देवी जी के ह्रदय वेदना दिखी तो उनके व्दारा पशु चिकित्सालय प्रारंभ करते हुऐ गायो का उपचार संभब हुआ, सरकार और आमजन से अपील करते हुऐ देवी जी ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य को गाय की सेबा करते हुऐ जीवन श्रेष्ठतम: फल को प्राप्त करना चाहिए सेबा से बडा कोई धर्म नही, संपूर्ण चंबल क्षेत्र धार्मिक अनुष्ठान करने और कराने मे अग्रणी हे यहाँ पर बडे बडे धार्मिक आयोजनो की धूम रही है साथ ही यहाँ के लोग सेबाभावी हे जो इतने बडे बडे आयोजनो को सफल बनाने मे योगदान करते है।

वर्षा पूर्व बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारियां सुनिश्चित करेंसमय - सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

भोपाल। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में सोमवार को जिला स्तरीय टीएल बैठक का आयोजन एडीएम श्री अंकुर मेश्राम एवं श्री प्रकाश नायक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक में सभी एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण हेतु विशेष निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस सप्ताह सभी एसडीएम एवं विभागीय अधिकारी व्यक्तिगत रूप से लंबित शिकायतों की निगरानी करें और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाएं। बिना कारण किसी भी शिकायत को फोर्स क्लोज न किया जाए और जिन शिकायतों का निपटारा असंतोषजनक रहा है, उन्हें पुन: निराकृत किया जाए। वर्षा पूर्व बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारियों की चर्चा करते हुए एडीएम श्री मेश्राम ने निर्देश दिए कि सभी एसडीएम और नगर निगम क्षेत्र में बाढ़ संभावित क्षेत्रों की पहचान कर राहत प्रबंधन की समुचित कार्ययोजना तैयार करें।

जिले के शैक्षणिक संस्थानों में हो शत प्रतिशत एडमिशन - कलेक्टर

जिले में 15 से 30 जून तक लगेंगे जागरूकता और लाभ संतृप्ति शिविर

सीहोर

कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सीएम हेल्पलाइन, विभागीय गतिविधियों और योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों तथा निराकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन जन शिकायतों के निराकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है, सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का समय अवधि में संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने नेशनल हाईवे तथा रेल परियोजनाओं के लिए भू अर्जन, मुआवजा वितरण, अर्जित भूमि का नामांतरण कब्जा दिलाने के कार्य में प्रगति लाने के साथ ही पार्वती परियोजना के विस्थापितों के लिए विस्थापन स्थल पर सभी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की कार्यवाही तेजी से करने के निर्देश दिए। इसी तरह वनग्रामों से राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन और वन खंडों के व्यवस्थापन की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मध्यप्रदेश सरकार का प्रण : सुरक्षित भविष्य के लिए जल संवर्धन और संरक्षण

जल की एक-एक बूंद बचाने का दिया जा रहा संदेश

भोपाल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जल संरक्षण-संवर्धन के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा सवंर्धन अभियान का शुभारंभ 30 मार्च को किया था। पूरे प्रदेश में अभियान प्रारंभ से ही जन-आंदोलन बनकर आगे बढ़ा और उसके परिणाम भी सामने आने लगे हैं। पहली बारिश में ही अभियान में बनाए गए खेत तालाब लबालब हो गए। केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के जल संचय, जनभागीदारी अभियान में जल संचय के लिए खंडवा जिले को देश में प्रथम स्थान मिला है और राज्यों की श्रेणी में मध्यप्रदेश चौथे स्थान पर रहा है। खेत तालाबों में हो रहे जल संचय से किसानों को आवश्यकता के समय पर्याप्त जल उपलब्ध रहेगा, भूजल स्तर में वृद्धि होगी और खेत में मौसमी फसलों के साथ ही मछली पालन एवं तालाब के किनारों पर बागवानी का भी अवसर मिलेगा। वारा सिवनी में तुमाड़ी की श्रीमती सुनीता जैराम के खेत-तालाब बनाया था। करीब 6 फिट गहराई में बने खेत तालाब से सुनीता और उनके पति मिलकर मछली पालन के साथ ही खरीफ में गेहूं और रबी में धान की फसल ले रहे है। इससे उन्हें 1 लाख रुपये तक का मुनाफा हो रहा है।

बन रहे नये खेत तालाब, पुराने कुओं, बावड़ियों और तालाबों का हो रहा जीर्णोद्धार

शहडोल जिले में आगामी तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नये तालाब बनाये जा रहे हैं, साथ ही तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार भी किया जा रहा है। नदियों को साफ-स्वच्छ एवं प्रवाहमान बनाए रखने के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत पोड़ी, नवागांव, हर्री में नवीन खेत तालाब बनाए गए।

कटनी नदी के घाटों पर सफाई

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कटनी शहर की कटनी नदी के कटाए घाट में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जलकुंभी की सफाई का अभियान चलाया गया। जल संरक्षण के प्रति जन जागरूकता की अलख जगाने के लिए जल संरक्षण का प्रण लिया गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और स्थानीय एनजीओ ने जन भागीदारी के साथ श्रमदान किया।

माँ नर्मदा के तटों पर बसे क्षेत्रों में नर्मदा सर्वेक्षण एवं जन जागरण यात्रा

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशानुसार नर्मदा जी के सीमावर्ती 16 जिलों, 51 विकासखंडों में जीवनदायनी माँ नर्मदा जी के जल को निर्मल तथा प्रवाह को अविरल बनाये रखने के लिए 'माँ नर्मदा सर्वेक्षण एवं जन जागरण यात्रा' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 25 मई से प्रारंभ हुआ है और 05 जून 2025 तक चलेगा।

बाढ़ से निपटने की सभी तैयारियाँ तत्काल शुरू कर दें : कलेक्टर

आपदा प्रबंधन के लिए कम्युनिकेशन प्लान में सभी के फोन नम्बर अपडेट करें: कलेक्टर

रीवा,कासं.। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि इस वर्ष मानसून के समय से एक सप्ताह पहले पहुंचने तथा अच्छी वर्षा का अनुमान मौसम विभाग द्वारा लगाया गया है। बाढ़ तथा अतिवृष्टि से राहत और बचाव की तैयारियाँ तत्काल शुरू कर दें। जल संसाधन विभाग के अधिकारी त्योंथर तथा जिला स्तर में कंट्रोल रूम बनाकर बाणसागर परियोजना तथा उत्तरप्रदेश के मेजा, सिरसी एवं अदवा बांधों के कंट्रोल रूम से सतत संपर्क में रहें। एसडीएम त्योंथर तथा जवा बाढ़ से प्रभावित होने वाले 120 गांवों में राहत शिविर के लिए उचित स्थलों का चिन्हांकन कर लें। बाढ़ की स्थिति में गोताखोर दल, नाव चलाने वाले, जेसीबी तथा क्रेन चलाने वाले आपरेटर आदि की सूची बनाकर उनके फोन नम्बर कंट्रोल रूम को उपलब्ध करा दें। पंचायत स्तर पर भी बाढ़ राहत और बचाव के उचित प्रबंध कर लें। अतिवृष्टि अथवा बाढ़ की सूचना मिलने पर कंट्रोल रूम तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचना दें।

कंट्रोल रूम में पंजी संधारित कर महत्वपूर्ण सूचनाएं प्रतिदिन दर्ज करें।

कलेक्टर ने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आपदा प्रबंधन के लिए जिला स्तर पर टीम गठित कर दें। सभी बीएमओ के पास पर्याप्त दवाएं उपलब्ध करा दें। उप संचालक पशुपालन पशुओं के लिए चारा-भूसा एवं उपचार की व्यवस्था कर लें। बाढ़ में मृत पशुओं के निष्पादन की भी व्यवस्था करें। आयुक्त नगर निगम तथा सभी सीएमओ शहरी क्षेत्र के नालों एवं नालियों की साफ-सफाई तत्काल कराएं। रीवा में बांसघाट, निपनिया, पुष्पराजनगर, बिछिया तथा तरहटी मोहल्लों में बाढ़ का प्रकोप होने पर राहत और बचाव की समुचित व्यवस्था करें। सभी एसडीएम अपने अनुभाग में आपदा प्रबंधन की बैठक करके आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करें। जिला कमाण्डेंट होमगार्ड्स बाढ़ से बचाव के लिए नाव, रस्सी, टार्च तथा अन्य उपकरणों की तत्काल व्यवस्था कर लें। त्योंथर क्षेत्र में आपदा प्रबंधन के लिए लोगों को प्रशिक्षण देकर जागरूक करें। एसडीएम सिरमौर बकिया बराज और टमस बराज के अधिकारियों से संपर्क में रहकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर ने बाढ़ की स्थिति में बिजली की वैकल्पिक आपूर्ति, वाहनों की व्यवस्था, खाद्यान्न तथा पेयजल की आपूर्ति एवं उपचार व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय कंट्रोल रूम में 24 घंटे कर्मचारी तैनात रहें। कंट्रोल रूम को शीघ्र सक्रिय करें। अतिवृष्टि की स्थिति में नदियों और बांधों के जल स्तर से संबंधित सूचनाओं को हर घंटे आदान-प्रदान सुनिश्चित करें। उत्तरप्रदेश के जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से भी सतत संपर्क में रहें। बांधों से पानी छोड़े जाने की स्थिति में निचले इलाकों को समय पर सूचना दें। सभी एसडीएम बाढ़ से बचाव तथा राहत कार्य में स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजनों के सहयोग के लिए भी सचेत रहें। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, सभी एसडीएम जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करके विभाग की ग्रेडिंग सुधारें : कलेक्टर

मुख्यमंत्री जी के दौरे की सभी तैयारियाँ समय रहते पूरी करें : कलेक्टर

रीवा,कासं.। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों निराकरण करें। प्रकरणों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण करके विभाग की ग्रेडिंग सुधारें। ग्रेडिंग में सी और डी श्रेणी में रहने वाले विभागों के अधिकारियों पर कार्यवाही की जाएगी। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में भी अभी 1694 आवेदन लंबित हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक संचालक हथकरघा, अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल तथा जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग लंबित प्रकरणों का तीन दिवस में निराकरण करें। जिला शिक्षा अधिकारी तीन दिवस में लंबित प्रकरणों का निराकरण करके विभाग को ए ग्रेड में ले जाएं।

कलेक्टर ने कहा कि 4 जून को गंगेव में स्वसहायता समूह सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शामिल होंगे। मुख्यमंत्री जी के दौरे के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी दे दी गई है। सभी अधिकारी दौरे की तैयारियाँ समय पर पूरी कर लें। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग हेलीपैड निर्माण तथा सभास्थल में बेरिकेडिंग का कार्य आज ही पूरा करा दें। कलेक्टर ने अधिकारियों को सम्मेलन में आने वालों की बैठक व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग, पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई, मंच व्यवस्था, साउंड सिस्टम, बिजली की आपूर्ति तथा सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना के अपात्र और मृत हितग्राहियों की सूची ग्राम पंचायतवार उपलब्ध करा दी गई है। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दो दिवस में सभी अपात्र व्यक्तियों के नाम पोर्टल से पृथक कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। हितग्राहियों के समग्र ई केवाईसी की प्रगति भी संतोषजनक नहीं है। रोजगार सहायकों के माध्यम से सात दिवस में शत-प्रतिशत ई केवाईसी सुनिश्चित करें। जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस तथा श्रम पदाधिकारी सभी विकासखण्डों में ग्राम पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों की बैठक लेकर उन्हें विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन और ई केवाईसी के संबंध में प्रशिक्षण दें।

कलेक्टर ने जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग को छात्रावासों की साफ-सफाई और सुधार के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि छात्रावास की प्रत्येक सीट पर विद्यार्थी का प्रवेश सुनिश्चित करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आयुष्मान कार्ड का कवरेज बढ़ाएं। सभी एसडीएम वनाधिकार अधिनियम के तहत ग्राम स्तर और खण्ड स्तर की समितियों की बैठक कराकर शेष प्रकरणों का निराकरण करके प्रतिवेदन 10 जून तक जिला स्तरीय समिति को प्रस्तुत करें। बैठक में कलेक्टर ने स्वामित्व योजना तथा नलजल योजनाओं से स्कूल एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में पानी की आपूर्ति के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में स्वीकृत जल संरक्षण के सभी कार्य 10 जून तक अनिवार्य रूप से पूरे कराएं। जल संरक्षण की सभी गतिविधियों की अच्छी फोटोग्राफ के साथ जनसम्पर्क कार्यालय के माध्यम से प्रचार-प्रसार कराएं।

जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आदर्श ग्राम योजना में आवंटित राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र दो दिवस में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। बैठक में आपदा प्रबंधन के लिए की जा रही तैयारियों की भी समीक्षा की गई। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

धान और हाइब्रिड धान में खाद के संतुलित उपयोग की सलाह

रीवा,कासं.। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने किसानों को धान और हाइब्रिड धान में खाद के संतुलित उपयोग की सलाह दी है। उप संचालक ने कहा है कि सभी किसान अपने खेत की माटी की जाँच करा लें। इससे प्राप्त मृदा स्वास्थ्य कार्ड में खेत की माटी में पाए जाने वाले पोषक तत्वों और कमी की जानकारी दर्ज रहती है। साथ ही उसमें फसल के अनुसार खाद के संतुलित उपयोग की भी मात्रा लिखी रहती है। उसी के अनुसार खाद का उपयोग करें। अधिक मात्रा में खाद का उपयोग किसान के लिए आर्थिक बोझ होने के साथ-साथ फसल और मिट्टी के लिए भी हानिकारक होता है। धान की सामान्य किस्म के लिए प्रति हेक्टेयर चार बैग चार किलो यूरिया और एक बैग 37 किलो डीएपी का उपयोग करें।

इसके विकल्प के रूप में चार बैग 37 किलो यूरिया और पाँच बैग सिंगल सुपर फास्फेट अथवा चार बैग पाँच किलो यूरिया और दो बैग 25 किलो 12-32-16 खाद का उपयोग कर सकते हैं। इसके अन्य विकल्प के रूप में चार बैग तीन किलो यूरिया, तीन बैग सिंगल सुपर फास्फेट और दो बैग 16-16-16 खाद का उपयोग भी किया जा सकता है। उप संचालक ने बताया कि शंकर अथवा हाइब्रिड धान के लिए 22 किलो यूरिया एवं दो बैग 9 किलो डीएपी का उपयोग करें। इसके विकल्प के रूप में पाँच बैग 36 किलो यूरिया एवं सात बैग 25 किलो सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग किया जा सकता है।

जिले में 1043806 हितग्राहियों का ई केवाईसी हुआ अपडेट

रीवा,कासं.। खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित सभी हितग्राहियों के ई केवाईसी अपडेशन का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने बताया कि जिले में खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित परिवारों के 12 लाख 48 हजार 209 सदस्य राशन मित्र पोर्टल पर दर्ज हैं। इन सभी सदस्यों का ई केवाईसी दर्ज कराने तथा मृतक एवं स्थाई रूप से पलायन कर गए व्यक्तियों के नाम पृथक करने की कार्यवाही 31 मई तक की गई।

केवाईसी कराने के लिए उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन पीओएस मशीन के माध्यम से हितग्राहियों का ई केवाईसी अपडेट कर रहे हैं। ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक और नगरीय क्षेत्रों में वार्ड प्रभारी भी ई केवाईसी अपडेट कर रहे हैं। एप के माध्यम से हितग्राही को स्वयं ई केवाईसी दर्ज कराने की भी सुविधा दी गई है।

इसके अलावा कॉमन सर्विस सेंटर तथा मोबाइल ऐप में भी ई केवाईसी अपडेशन की सुविधा उपलब्ध है। जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने बताया कि एक जून तक जिले में 10 लाख 43 हजार 806 हितग्राहियों की ई केवाईसी की जा चुकी है।

यह कुल हितग्राहियों का 84 प्रतिशत है। जिसमें जनपद पंचायत गंगेव में 135182, जवा में 128820, रायपुर कर्चुलियान में 167143, रीवा में 168732, सिरमौर में 180174, त्योंथर में 123142 हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेट की जा चुकी है। नगरीय निकायों में नगर निगम रीवा में 67330, नगर परिषद डभौरा में 13638, बैकुण्ठपुर में 6071, चाकघाट में 5871, गोविंदगढ़ में 7173, गुढ़ में 9052, मनगवां में 7392, सेमरिया में 8696, नगर परिषद सिरमौर में 5875 तथा नगर परिषद त्योंथर में 9515 हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेट की जा चुकी है।

जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि अब तक पोर्टल से अपात्र और मृत 46576 हितग्राहियों के नाम स्थानीय निकायों द्वारा पृथक किए गए हैं। इनके नाम हटाने की कार्यवाही लगातार की जा रही है। एक जून को 4822 नाम हटाए गए।

सृजन कैंप : किशोर किशोरियों ने सीखे आत्मरक्षा, कानून और जीवन कौशल

प्राथमिक स्कूल नोन्हेटा में हुआ 15 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का समापन

शिवपुरी ब्यूरो। पुलिस मुख्यालय भोपाल के मार्गदर्शन एवं सहयोग से शिवपुरी जिला पुलिस और विकास संवाद संस्था एवं महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, बाल कल्याण समिति आदि के संयुक्त रूप से सृजन यूथ कनेक्ट कार्यक्रम के अंतर्गत किशोर बालक-बालिकाओं के लिए एक 15 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 19 मई से 2 जून 2025 तक प्राथमिक स्कूल नोन्हेटा पोहरी में संचालित किया जा रहा है जिसका समापन आज किया गया। यह शिविर मध्यप्रदेश की सामुदायिक पुलिसिंग व्यवस्था की एक अभिनव पहल है, जिसका उद्देश्य किशोरों को आत्मनिर्भर एवं जागरूक नागरिक के रूप में विकसित करना है। शिविर में आत्मरक्षा, कानूनी जानकारी और जीवन कौशल का प्रशिक्षण, जेंडर संवेदनशीलता, शिक्षा का महत्व, बाल विवाह और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता किया गया। बच्चों के साथ अलग-अलग प्रकार के इंडोर एवं आउटडोर गतिविधियों जैसे- जुम्बा पीटी, मार्शल आर्ट, योगा, आत्मरक्षा के व्यावहारिक सत्र साइबर क्राइम, ट्रैफिक नियम, अधिनियमों की जानकारी, नशामुक्ति, महिला एवं बाल अधिकार विषयों पर संवाद किया गया। इस शिविर के माध्यम से बालिकाओं को सृजन आत्मरक्षा एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम की पृष्ठभूमि समझाई गई, जिससे वे अपने अधिकारों के प्रति सजग होकर आत्मविश्वास से आगे बढ़ सकें। यह भी सुनिश्चित किया गया है कि वंचित समुदाय के किशोर-

किशोरियों को समुचित अवसर प्राप्त हों और उनका समग्र विकास हो। सृजन कार्यक्रम समापन के दौरान बालिकाओं के अभिभावकों द्वारा भी भागीदारी की गई बालिकाओं ने 15 दिनों में सीखी गई गतिविधियों को मार्शल आर्ट एवं रोल प्ले के माध्यम से बताया एवं मंच पर अपने अनुभव साझा किए एवं टीम सदस्यों ने भी अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम समापन के अवसर पर एडिशनल एसपी संजीव मुले, थाना प्रभारी पोहरी रजनी सिंह चौहान, अनीता शर्मा पर्यवेक्षक महिला एवं बाल विकास विभाग पोहरी, दानवती आदिवासी सरपंच नोन्हेटा एवं विकास संवाद के स्टाफ का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन जिला कॉर्डिनेटर अजय यादव, संदीप नायिक विकास संवाद के द्वारा किया गया गया। आरती पाराशर राज्य समन्वयक विकास संवाद के द्वारा का आभार व्यक्त किया गया।

बारातियों से भरा लोडिंग वाहन पलटा, 20 घायल, 10 की हालत गंभीर, शादी के बाद विदाई कर लौट रही थी बारात

शिवपुरी। सिरसौद थानान्तर्गत शिवपुरी-पोहरी हाईवे पर रामखेड़ी गांव के पास बारातियों से भरी एक लोडिंग पिकअप वाहन पलट गई। हादसे में 15 से 20 लोग घायल हो गए, जिनमें से 8 से 10 की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार बारात मुरैना जिले के पहाडगढ़ थाना क्षेत्र के मानपुर गांव से शिवपुरी शहर की ठकुरपुरा कॉलोनी आई थी। दीपक आदिवासी पुत्र लोटन आदिवासी की शादी संपन्न होने के बाद करीब 30 बाराती सोमवार को बहू की विदाई कराकर लौट रहे थे। तभी रामखेड़ी गांव के पास लोडिंग वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना पर सिरसौद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया गया। जिला अस्पताल शिवपुरी के डॉक्टरों के मुताबिक करीब 10 लोगों की हालत गंभीर है। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। सिरसौद थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बारदात करने की नियत से खड़े दो बदमाषों को पकड़कर उसके पास से दो 315 बोर के कट्टा व दो जिंदा राउण्ड किये जप्त

ग्वालियर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह (भापुसे) के निर्देश पर ग्वालियर पुलिस द्वारा दिनांक 01/02.06.2025 की दरमियानी रात्रि शहर व देहात के समस्त थाना क्षेत्रों में देर रात तक कॉम्बिंग गष्त किया गया। इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (पष्चिम) श्री गजेन्द्र सिंह वर्धमान ने अपने अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारियों को अपने थाना क्षेत्र में भ्रमण कर कॉम्बिंग गष्त के दौराने अवैध हथियार रखने वाले बदमाषों के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु निर्देषित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार सीएसपी लष्कर श्री मनीष यादव के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जनकगंज निरीक्षक अतुल सोलंकी के द्वारा कॉम्बिंग गष्त के लिये थाना बल की टीमों को क्षेत्र में भ्रमण कर संदिग्धों की चेकिंग हेतु लगाया गया। दौराने कॉम्बिंग गष्त पुलिस टीम गोलपहाडिया पहुंचा जहाँ मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि एक व्यक्ति गुप्तेश्वर मंदिर के आगे तिघरा रोड पर बारदात करने की नीयत से अवैध हथियार लिये खड़ा है, मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंची जहां पर एक व्यक्ति खड़ा दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे, जिस घेरकर पकड़ा और उसे चेक किया तो उसके कमर में बाँये तरफएक 315 बोर का कट्टा खुरसा मिला और कट्टा को चेक करने पर एक जिंदा कारतूस लोडेड चेम्बर में मिला। पूछताछ करने पर उसने निवासी सेवानगर यादव मोहल्ला नूरगंज का होना बताया। पकड़े गये आरोपी से पुलिस द्वारा एक 315 बोर का कट्टा मय एक जिंदा राउण्ड के जप्त किया गया और थाना जनकगंज में अप0क्र0 269/25 धारा 25/27 आर्म्स एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर अवैध हथियार के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है। पुलिस टीम को कॉम्बिंग गष्त के दौरान जरिए मुखबिर एक अन्य सूचना मिली कि एक व्यक्ति बजरंग कालौनी के पास तिघरा रोड पर बारदात करने की नीयत से अवैध हथियार लिये खड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा बजरंग कॉलोनी से पहले खुला स्थान तिधरा रोड से एक व्यक्ति को पकड़ लिया और तलाषी लेने पर उसकी पेन्ट में कमर में एक 315 बोर का कट्टा खुरसा मिला तथा एक जिंदा राउण्ड चेम्बर में मिला। पूछताछ करने पर उसने निवासी गोसपुरा न. 01 पुरानी चौकी चिरोजी सेठ की हवेली का होना बताया। आरोपी से पुलिस द्वारा एक 315 बोर का कट्टा मय एक जिंदा राउण्ड के जप्त किया जाकर थाना जनकगंज में अप0क्र0 270/25 धारा 25/27 आर्म्स एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर अवैध हथियार के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में ज्ञात हुए कि पकड़े गये उक्त दोनों आरोपियों ने दिनांक 31.05.2025 को थाना पुरानी छावनी क्षेत्र में स्थित एक कोचिंग सेंटर पर हवाई फायर किये थे। आरोपियों के पकड़े जाने के संबंध में थाना पुरानी छावनी पुलिस को सूचित किया गया है।

जप्त मषरूका:- दो 315 बोर का कट्टा व दो जिन्दा राउण्ड।

सराहनीय भूमिका:- उक्त कार्यवही में थाना प्रभारी जनकगंज निरीक्षक अतुल सोलंकी, पहली

कार्यवाही की टीम- प्र.आर. शिवओम सिंह, प्र.आर. मक्खन लाला छारी, प्र.आर. विद्याचारण, आर. विकास माहौर, आर. रविन्द्र कुशवाह दूसरी कार्यवाही की टीम- प्र.आर. प्रवीण शर्मा, प्र.आर. जितेन्द्र सिकरवार, आर. संदीप रावत, आर. उदयभान यादव, आर. श्याम परिहार की सराहनीय भूमिका रही।

15 वर्षों से लंबित नियमितीकरण की मांग को लेकर रोजगार सहायक संयुक्त मोर्चा का विरोध प्रदर्शन

डिप्टी कलेक्टर एवं जिपं सीईओ को सौंपा ज्ञापन, मांगें पूरा नहीं होने पर दी कलमबंद-कंप्यूटर बंद आंदोलन की चेतावनी, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

शिवपुरी ब्यूरो। प्रदेश संगठन के आव्हान पर प्रदेश के सभी जिलों के साथ शिवपुरी में भी ग्राम रोजगार सहायक संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं पंचायत मंत्री प्रह्लाद पटेल के नाम डिप्टी कलेक्टर एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में रोजगार सहायकों ने प्रदेश में हो रही मनमानी कार्यवाहियों को रोकने एवं 15 वर्षों से लंबित नियमितीकण सहित कई लंबित मांगों के निराकरण की मांग की है। यदि मांगे जल्द पूरी नहीं की गई तो कमलबंद-कम्प्यूटर बंद आंदोलन की चेतावनी दी गई। संघ के जिलाध्यक्ष राजेश रावत के अनुसार पिछले तीन महीनों में प्रदेश में 30 से अधिक ग्राम रोजगार सहायकों की असमय मृत्यु हुई है। शासन ने अभी तक किसी को अनुग्रह राशि या अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी है। रोजगार सहायकों की प्रमुख मांगों में पंचायत सहायक सचिव पद पर संविलियन और सचिवों जैसा वेतनमान शामिल है। मृतक सहायकों के परिजनों को 10 लाख रुपए की सहायता और अनुकंपा नियुक्ति की मांग की गई है। साथ ही प्रत्येक माह की 30 तारीख तक मानदेय भुगतान, सचिवों की तरह सेवा नियम और सुविधाएं देने की मांग है। रोजगार सहायकों का कहना है कि पंचायत स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की सारी जिम्मेदारी उन पर डाली जा रही है। जबकि तकनीकी अमला, सचिव और जनप्रतिनिधियों की भी बराबर जवाबदेही होनी चाहिए। कई जिलों में रोजगार सहायकों को एकतरफा निलंबित किया गया है। संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर 15 दिनों के भीतर मांगों पर उचित निर्णय नहीं लिया गया, तो शिवपुरी सहित पूरे प्रदेश में %कलम बंद, कंप्यूटर बंद आंदोलन शुरू किया जाएगा।

थाना डबरा देहात पुलिस ने दो चोरियों का पर्दाफाष कर आरोपी को चोरी के माल सहित किया गिरफ्तार

ग्वालियर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह,भापुसे के निर्देश पर ग्वालियर जिले में चोरी की घटनाओं की रोकथाम हेतु मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर चोरों व नकबजनों की धरपकड़ हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देषों के तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक (देहात) श्री निरंजन शर्मा द्वारा अपने अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में चोरी की घटनाओं के आरोपियों की पतारसी कर माल मषरूका की बरामदगी कर चोरों को पकड़ने हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने के निर्देष दिये गये। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देषों के परिपालन में एसडीओपी डबरा श्री जितेन्द्र नगाइच के कुषल मार्गदर्षन में थाना प्रभारी डबरा देहात निरीक्षक सुधाकर सिंह तोमर के द्वारा थाना बल की टीम का थाना के अप0क्र0- 150/25 धारा 331,305 बीएनएस के प्रकरण में चोरी गये माल मषरूका की बरामदगी कर आरोपी को पकड़ने हेतु लगाया गया। उक्त चोरी की घटना के अज्ञात आरोपी की पतारसी हेतु पुलिस टीम द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय किये गये। दौराने विवेचना पुलिस टीम द्वारा मुखबिर सूचना पर से एक संदेही को हिरासत में लिया गया, जिसने पूछताछ में स्वयं को चक फाटक थाना पिछोर जिला ग्वालियर का रहने वाला बताया। पकड़े गये संदेही से उक्त चोरी के प्रकरण में गहनता से पूछताछ की गई तो उसके द्वारा दिनांक 03.05.2025 को ग्राम महाराजपुर में एक घर से चोरी करना स्वीकार किया। पकड़े गये आरोपी के कब्जे से एक जोड़ी सोने की टॉक्स, दो सोने की अंगूठी, दो चांदी की करधोनी, एक जोड़ी पायल, दो जोड़ी तोड़िया एवं 5000/- रूपये नगद विधिवत जप्त किये गए। पकड़े गये आरोपी से थाना क्षेत्र में हुई अन्य चोरियों के संबंध में पूछताछ करने पर उसके द्वारा दिनांक 12.04.2025 को ग्राम सालवई के शासकीय माध्यमिक विद्यालय से रात में ताला तोड़ कर दो मॉनिटर तथा खेल सामग्री चोरी करना स्वीकार किया। पकड़े गये आरोपी से स्कूल से चोरी किया मॉनिटर और खेल सामग्री से संबंध में पूछताछ करने पर उसने उक्त सामान को फेरी वाले कबाड़ी को बेचना बताया। पकड़े गये आरोपी के कब्जे से 5000/- रूपये नगद जप्त किये गये। उक्त आरोपी को थाना डबरा देहात से प्रथक-प्रथक अप0क्र0- 150/25 धारा 331,305 बीएनएस तथा अप0क्र0- 102/25 के प्रकरण में विधिवत गिरफ्तार कर उक्त प्रकरणों में चोरी गये माल मषरूका के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है। आज आरोपी को माननीय न्यायालय में पुलिस रिमांड हेतु पेश किया जाएगा।

घटना का संक्षिप्त विवरण:- दिनांक 03.05.2025 को फरियादी धर्मेंद्र साहू निवासी ग्राम महाराजपुर ग्वालियर ने थाना डबरा देहात में रिपोर्ट लेख कराई थी कि दिनांक 02/03.05.2025 की दरमियानी रात्रि को उसके घर में रखी अलमारी का ताला तोड़कर सोने चांदी के जेबरात चोरी करके ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना डबरा देहात में अप0क्र0- 150/25 धारा 331,305 बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। इसी प्रकार दिनांक 12.04.2025 को ग्राम सालवई के शासकीय माध्यमिक विद्यालय से रात में अज्ञात चोर द्वारा ताला तोड़कर दो मॉनिटर तथा खेल सामग्री चोरी करके ले गया था, जिसमें थाना डबरा देहात में अप0क्र0- 102/25 का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

जप्त मषरूका:- एक जोड़ी सोने की टॉक्स, दो सोने की अंगूठी, दो चांदी की करधोनी, एक जोड़ी पायल, दो जोड़ी तोड़िया एवं 5000/- रूपये नगद किये जप्त।

सराहनीय भूमिका:- थाना प्रभारी डबरा देहात निरीक्षक सुधाकर सिंह तोमर, सउनि0 नंदकिशोर झा, प्र. आर0 हेमंत यादव, आर. आकाश शर्मा, आर. देवेंद्र अहिरवार, आर. विकास गौड़, चालक आर. राघवेंद्र यादव, सैनिक अंकुर भार्गव की सराहनीय भूमिका रही।

योग दिवस के सफल आयोजन को लेकर जिला स्तरीय योग क्रियान्वयन समिति की बैठक आयोजित

धौलपुर ब्यूरो। आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय सहित सभी उपखण्ड एवं ग्राम पंचायत मुख्यालयों में योग आधारित कार्यक्रम किए जाएंगे। इस वर्ष योगा दिवस की थीम ''योगा फॉर वन अर्थ वन हैल्थ'' रखी गई है। जिसके अन्तर्गत प्रातः 7 से 8 बजे तक विशेष योगाभ्यास का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिला कलेक्टेव्रट सभागार में अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ने सभी अधिकारियों को योग दिवस को सफल बनाने के लिए अपने-अपने विभाग के दायित्वों को गंभीरतापूर्वक निभाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के लिए उप निदेशक, आर्युवेद को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, साथ ही जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति एवं ब्लॉक स्तरीय क्रियान्वयन समितियों का गठन किया गया है। उन्होंने विभिन्न विभागों के दायित्वों, सहभागिता एवं अन्तविभागीय समन्वय पर चर्चा कर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को आईईसी में सहयोग यथा होर्डिंग, बैनर, पोस्टर आदि का प्रावधान करने, स्वायत्त शासन विभाग को कार्यक्रम के लिए निशुल्क स्थान की उपलब्धता, पेयजल, साफ-सफाई और स्थानीय प्रचार-प्रसार में सहयोग करने के साथ ही अतिरिक्त जिला कलक्टर ने योग के आयोजन में सहभागिता निभाने वाली संस्थाओं के पदाधिकारियों से विचार-विमर्श कर उन्हें अधिकाधिक संख्या में आमजन को जोड़ने और योग के प्रति जनजागरुकता हेतु प्रोत्साहित किया जाएं।

पूरनखेड़ी टोल पर चारधाम यात्रियों से मारपीट, महिलाओं के साथ धक्का-मुक्की एवं मारपीट के आरोप

बस को ओवरलोड बताकर रोका, श्रद्धालुओं ने एनएच-46 पर लगाया जाम, चार के खिलाफ एफआईआर दर्ज

शिवपुरी ब्यूरो। पूरनखेड़ी टोल प्लाजा पर एक बार फिर मारपीट का मामला सामने आया है। सोमवार को चारधाम की यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं की बस को टोल पर रोका गया, जिसके बाद टोल कर्मियों और बस स्टाफ के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि इस दौरान बस के ड्राइवर और उसमें सवार महिलाओं के साथ मारपीट की गई। घटना के विरोध में श्रद्धालुओं ने एनएच-46 पर जाम लगा दिया, जिससे करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा। जानकारी के अनुसार इंदौर क्षेत्र से श्रद्धालुओं का एक जत्था दो बसों में सवार होकर चारधाम की यात्रा पर निकला था। उनकी बस ओंकारेश्वर की ओर जा रही थी, लेकिन शिवपुरी जिले के पूरनखेड़ी टोल प्लाजा पर बस को रोक लिया गया। बस ड्राइवर जितेन्द्र के मुताबिक, टोल कर्मचारियों ने बस को ओवरलोड बताकर जबरन तौल कराने की जिद की, जबकि उन्हें पहले ही बता दिया गया था कि बस में 60 सवारियां हैं। ड्राइवर का आरोप है कि टोल स्टाफ की जिद पर जब बस स्टाफ ने विरोध किया तो टोल कर्मियों ने बस में घुसकर मारपीट शुरू कर दी। जब महिलाओं ने इसका विरोध किया तो उनके साथ भी धक्का-मुक्की और मारपीट की गई। इससे नाराज होकर यात्रियों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर कोलारस पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस की समझाइश के बाद ही श्रद्धालु जाम हटाने को तैयार हुए। कोलारस पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

दिनारा पुलिस ने कट्टे के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

शिवपुरी ब्यूरो। दिनारा थाना पुलिस ने वारदात की नियत से हथियार लेकर घूम रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक 315 बोर का देशी कट्टा एवं एक जिंदा राउण्ड जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले तथा एसडीओपी अनुभाग करैरा शिवनारायण मुकाती के मार्गदर्शन मे चलाये जा रहे अवैध हथियार, अवैध शराब एवं स्थाई एवं गिरफ्तारी वारण्टियों की धरपकड़ हेतु अभियान के पालन में 1 जून को बरकुंआ तिराहा शिवपुरी झांसी हाईवे रोड पर से अवैध रूप से लिये हुये कोई बारदात करने की नियत आरोपी प्रदीप पुत्र चतुर सिंह यादव उम्र 21 साल निवासी ग्राम बरकुंआ थाना दिनारा के

कब्जे से एक 315 बोर के देशी कट्टा मय 01 जिंदा को जप्त किया गया। उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी दिनारा उनि अमित चतुर्वेदी, प्रआर दीपक उपाध्याय, प्र.आर.498 अशोक तिवारी, आर मनोज यादव, आरक्षक रामअवतार, आरक्षक बलवीर बघेल की सहानीय भूमिका रही।

101 अवैध निजी अस्पतालों और झोलाछाप पर लगाया 51 लाख का जुर्माना

धौलपुर ब्यूरो। जिले भर में सरकारी नियमों को धता बताकर मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाले अवैध रूप से संचालित 101 निजी अस्पतालों और झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। प्रशासन ,पुलिस और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा छापा मार कार्यवाही की गई। जिसमें 101 निजी अस्पताल और झोलाछाप का क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट 2010 के तहत रजिस्ट्रेशन नही पाया गया। इस पर जिला कलक्टर ने क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट 2010 के निर्धारित प्रावधान अनुसार पंजीकरण नहीं करवाने पर जिले भर के 101 निजी अस्पताल और झोलाछाप डॉक्टरों पर जुर्माना लगाया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ धर्मसिंह मीणा ने बताया कि एस्टबलिसमेन्ट एक्ट के अनुसार चिकित्सा विभाग में पंजीयन बिना चिकित्सीय संस्थान को संचालित किये जाने पर प्रथम दृष्टया 50 हजार रूपये राशि का जुर्माना/अर्थदण्ड दिये जाने का प्रावधान है। जिसके तहत सैंपऊ में 34,राजाखेड़ा में 21,सरमथुरा में 16, बसेड़ी में 13 तथा धौलपुर में 6 अवैध निजी अस्पताल पर जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में संभवतरू पहली बार इस प्रकार की कार्यवाही करते हुए 51 लाख के करीब जुर्माना लगाया गया है। विभाग की कार्यवाही के बाद निजी अस्पताल और झोलाछाप डॉक्टरों में हड़कंप मच गया है। सभी अवैध निजी अस्पताल अपने संस्थान बंद कर भूमिगत हो गए है। सीएमएचओ डॉ.मीणा ने बताया कि अवैध निजी अस्पताल और झोलाछाप के खिलाफ लगातार कार्यवाही जारी रहेगी। उन्होंने सभी खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी को संबंधित थानाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित करते हुये, आदेश की प्रति तामील करवा कर डिमाण्ड ड्राफ्ट के जरिए जुर्माना राशि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी धौलपुर के नाम जमा करवाने हेतु निर्देश दिए है।

भेड़ निष्क्रमण की व्यवस्था एवं नियंत्रण के सम्बन्ध में बैठक का हुआ आयोजन

धौलपुर ब्यूरो। जिले में भेड़ निष्क्रमण की व्यवस्था एवं नियंत्राण के सम्बन्ध में अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिले में राजाखेड़ा एवं सैपऊ क्षेत्रों से भेड़ों के प्रवेश के दौरान अधिक सतर्कता बरतने तथा भेड़ों के इलाज, टीकाकरण के साथ चरवाहों को भी राशन एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि भेड़ों के प्रवेश करते समय रजिस्टर संधारित करते हुए उनकी संख्या तथा दल के मुखिया के साथ कितने व्यक्तियों ने जिले में प्रवेश किया है इसकी गणना करना आवश्यक है। प्रवेश करते समय उनको आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने हेतु सम्बंधित अधिकारियों के मोबाइल नम्बर के साथ रूट चार्ट व ठहरने के स्थान को चिन्हित करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करें। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन

सतर्कता के साथ कार्य करें जिससे उनके बच्चों के साथ कोई अप्रिय घटना न हो पाए। उन्होंने संयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग को निर्देश दिए कि निष्क्रमण के मार्ग व ठहराव का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना सुनिश्चित करें जिससे आमजन को निष्क्रमण के बारे मे जानकारी मिल सके साथ ही भेड़ों का टीकाकरण करवाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वर्षा की संभावना को देखते हुए भेड़ पालकों तथा भेड़ो के उचित ठहराव हेतु स्थानों का चिन्हीकरण करना सुनिश्चित करें जिससे वर्षा तूफान से किसी भी प्रकार हानि न हो। आगामी जुलाई माह में भेड़ों का आना आरंभ हो जायेगा जिले में राजाखेड़ा, बसईनबाब, कंचनपुर, खानपुर मीणा, जारगा एवं सरमथुरा में अस्थाई चैक पोस्टें लगायी जाएं, जिससे जिले में उनका सुगम आवागमन हो सके। बैठक में सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आरएमएससीएल की राज्य स्तरीय टीम ने किया चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण

धौलपुर ब्यूरो। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन निगम लिमिटेड (आरएमएससीएल) जयपुर की टीम ने भीषण गर्मी एवं हीटवेव के मध्यनजर जिले के चिकित्सा संस्थानों की तैयारियों की समीक्षा के लिए सघन निरीक्षण अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत आरएमएससीएल के मैनेजर प्रोक्योरमेंट डॉ. अभिषेक बेंधा और कनिष्ठ लेखाकार रविकांत ने सोमवार को जिला औषधि भंडार, जिला अस्पताल एवं सीएचसी मनियां का निरीक्षण किया। सीएमएचओ डॉ. धर्मसिंह मीणा ने बताया कि ग्रीष्मकाल में हीटवेव के मद्देनजर आरएमएससीएल द्वारा चिकित्सा संस्थानों में मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के तहत दवा उपलब्धता, उपकरणों की कार्यशीलता एवं ऑक्सीजन की उपलब्धता जानने के लिए ग्रीष्मकालीन सघन निरीक्षण अभियान आयोजित किया जा रहा है। इसी के तहत आरएमएससीएल ने हीटवेव संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उनके साथ डीडीडब्ल्यू के डीपीसी डॉ. शिवकुमार शर्मा और बायोमेडिकल वेस्ट इंजीनियर मंदीप कुमार भी मौजूद रहे। डीपीसी डॉ.शर्मा ने बताया कि निरीक्षण दल ने चिकित्सालयों के सबस्टोर, दवा वितरण केन्द्र, वार्ड, ऑक्सीजन प्लांट की क्रियाशीलता, लू तापघात प्रबंधन में दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने चिकित्सा संस्थान का निरीक्षण कर उपकरणों एवं ऑक्सीजन व्यवस्था की भी जांच की। निरीक्षण दल ने जांच के साथ साथ मरीजों से बात कर चिकित्सा संस्थानों पर मिल रही सुविधाओं का फीडबैक भी लिया।

मानसून के दौरान शहर में नहीं होनी चाहिए जलभराव की समस्या-एडीएम

धौलपुर ब्यूरो। बिजली, पानी, चिकित्सा सहित अन्य प्रमुख बिन्दुओं की समीक्षा बैठक का आयोजन अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में हुआ। उन्होंने आयुक्त नगर परिषद को निर्देश देते हुए कहा कि मानसून आनेवाला है, जिन नालों की सफाई का कार्य पूर्ण नहीं हुआ है उनको शीघ्र-अतिशीघ्र पूर्ण कर सफाई कराना सुनिश्चित करें एवं नगर परिषद क्षेत्र में सफाई कराने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करें। नोडल अधिकारियों से नालों की सफाई कार्य की प्रतिदिन रिपोर्ट लेना सुनिश्चित करें। नगर परिषद क्षेत्र में जहां भी अतिक्रमण किया हुआ है उसको चिन्हित करते हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए कार्यवाही करें। मानसून के दौरान शहर में जलभराव की समस्या वाले स्थानों को चिन्हित कर जिम्मेदार कार्मिकों की नियुक्ति की जाये। जलभराव की निकासी के लिए पूर्ण व्यवस्था किया जाना सुनिश्चित करें। अधीक्षण अभियन्ता पीएचईडी को निर्देश देते हुए कहा कि पेयजल आपूर्ति के लिए जीपीएस के साथ जिन टैंकरों द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल की आपूर्ति के लिए लगाए गए हैं वह टैंकर पानी से पूर्ण भरे हुए होने चाहिए, इसकी निगरानी रखा जाना सुनिश्चित करें। पेयजल आपूर्ति के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जाने वाले टैंकरों की सूचना आमजन को पहले ही दिया जाना सुनिश्चित करें। अवैध जल कनेक्शन करने वालों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही की जाये। उन्होंने अधीक्षण अभियन्ता विद्युत विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि जले हुए ट्रांसफार्मरों को तय समय सीमा के अन्दर बदला जाये। ढीले तारों को टाईट करें एवं गर्मी के मौसम को देखते हुए किसी प्रकारी की कटौती न करते हुए निर्बाध विद्युत आपूर्ति की जाये। अधीक्षण अभियन्ता सार्वजनिक विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि बरसात के मौसम एवं मानसून को ध्यान में रखते हुए सड़कों का पेचवर्क कार्य किया जाना सुनिश्चित करते हुए निर्माणाधीन सडकों पर डामरीकरण का कार्य किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं एवं बजट घोषणाओं से जुड़े कार्यो की समीक्षा कर उन्हें समयबद्ध धरातल पर उतारना सभी विभाग प्रमुखों की जिम्मेदारी है। सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के समयसीमा में निस्तारण पर भी विशेष बल दिया गया। उन्होंने कहा कि ई-फाइल का औसत निस्तारण समय कम से कम किए जाने हेतु प्रयास किए जाए। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ ने कहा कि जिले में 5 से 20 जून तक चलाए जा रहे वन्दे गंगाजल संरक्षण जन अभियान के तहत जल संरक्षण एवं भूजल स्तर बढ़ाने, जल संचयन पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी सरकार द्वारा दिए गए विभागीय कार्यो को सफलतापूर्वक पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें। बैठक में सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अपात्रों को दिया एक और मौका 30 जून तक हटवा सकेगें नाम

धौलपुर, 2 जून। खाद्य सुरक्षा योजना से जुड़े सक्षम व्यक्तियों को चिन्हित कर राशन में उठाए गए गेहूं की पाई-पाई की वसूली की जावेगी। यह वसूली 27 रुपये प्रति किलो के हिसाब से की जावेगी। 30 जून तक स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा योजना से हटवाने वाले व्यक्तियों को राहत दी जावेगी। रसद विभाग 30 जून के बाद गिव-अप अभियान में गेहूँ की वसूली शुरू करेगा। जिला रसद अधिकारी कल्याण सहाय करोल ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित सक्षम व्यक्ति को स्वेच्छा से योजना से नाम हटवाने के लिए गिव-अप अभियान चलाया जा रहा है, अभियान 30 जून 2025 तक चलेगा। अभियान के दौरान यदि सक्षम व्यक्ति अपना नाम योजना से नहीं हटवाते है तो कानूनी कार्यवाही की जाकर उठाए गए गेहूं की 27 रुपये प्रति किलो के हिसाब से वसूली की जावेगी।उन्होंने बताया कि जिले में अब तक कुल 1298 परिवारों के 5451 व्यक्तियों ने गिव-अप योजना में आवेदन कर अपने नाम राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से पृथक करा लिये हैं।

पॉच दिवसीय निःशुल्क अनुसूचित आयुर्वेद चिकित्सा शिविरों का किया जाएगा आयोजन

धौलपुर, 2 जून। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा जिले के बाड़ी तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसूचित जाति के बाहुल्य क्षेत्रों के व्यक्तियों को निःशुल्क चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने कराने की दृष्टि से 24 से 28 जून तक पॉच दिवसीय निःशुल्क अनुसूचित आयुर्वेद चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाएगा। संयुक्त निदेशक राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जय प्रकाश शर्मा ने बताया कि तहसील बाड़ी में 25 जून को अरूवा, 26 जून को धन्नू का पुरा, 27 जून को लालो विहार तथा 28 जून को तकीपुर में निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

सीएमएचओ ने मलेरिया जन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मुरैना,कांस। मुरैना जिले से मलेरिया जन जागरूकता रथ को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के समस्त विकासखंड के मलेरिया प्रभावित चिन्हित ग्रामों में जाकर लोगों को मलेरिया एवं अन्य मच्छर जनित बीमारी से बचाव, रोकथाम, इलाज के बारे में जागरूक करेगा। राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष माह जून मलेरिया निरोधक माह के रूप में मनाया जाता है। मानसून के प्रारम्भ होने व मानसून के पश्चात् मच्छरों के उत्पत्ति स्थल बढ़ जाने के कारण मलेरिया जन्य परिस्थितियाँ निर्मित हो जाती हैं एवं मलेरिया का प्रसार अधिक होने लगता है। इसी तारतम्य में मानसून प्रारम्भ होने के पूर्व जून माह में यह आवश्यक है कि मच्छरों के उत्पत्ति स्थलों के नियंत्रण एवं मलेरिया बीमारी की रोकथाम के सम्बन्ध में समस्त जानकारी जनप्रतिनिधियों एवं सामान्यजन में व्यापक रूप से दी जाती है, जिससे आगामी माहों में प्रभावी रूप से मलेरिया बीमारी की रोकथाम हो सके। मलेरिया निरोधक माह का आयोजन मात्र मलेरिया बीमारी के नियंत्रण के उपाय के लिये ही नहीं, बल्कि मच्छरजनित अन्य बीमारियों जैसे फाइलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया के प्रभावी नियंत्रण के लिये भी किया जाएगा। मलेरिया माह के कार्यक्रमों को जिला मुख्यालय या ब्लॉक मुख्यालय एवं इसका प्रचार-प्रसार गाँव-गाँव तक किया जाकर जनसामान्य की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु होगा। इस अवसर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आनंद बंसल, डॉ. एसके कारखुर, मीडिया ऑफीसर श्रीमती बसंती बाजौरिया, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय गोयल, डीपीएम श्री एसपी श्रीवास्तव, सहायक मलेरिया अधिकारी डॉ. महेन्द्र यादव, जेएमआई श्री देवव्रत उपाध्याय, रवि सिकरवार, समस्त मलेरिया स्टाफ, फैमिली हेल्थ इन्डिया एम्बेड परियोजना जिला समन्वयक एवं अन्य कर्मचारी सहित स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज

मुरैना।आगामी 07 जून को ईदुज्जुहा और 06 जुलाई को मोहर्रम त्यौहारों के अवसर पर कानून व्यवस्था एवं शांति बनाये रखने के लिये जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 03 जून, 2025 को सायं 05 बजे पुलिस अधीक्षक सभागार मुरैना में आयोजित की गई है। बैठक में सभी संबंधित शांति समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहेंगे।

समस्त सीएमओ चोक नाले नालियों की सफ़ाई करवायें, जलभराव की समस्या को गंभीरता से लें - कलेक्टर

निर्माण विभाग अधीनस्थ पुलिया, रपटा के दोनों तरफ़ चेतावनी बोर्ड लगवायें, नामान्तरण में पिछले सप्ताह सिंगल डिजिट में प्रोग्रेस करने वाले नायब तहसीलदार व तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस, ई-केवायसी में लक्ष्य पूर्ण न करने पर सीएमओ सबलगढ़ का 03, सीएमओ झुण्डपुरा, कैलारस का 7-7 दिन का वेतन काटने के निर्देश, कलेक्टर की अध्यक्षता में टीएल बैठक संपन्न

मुरैना,कांस। सभी तहसीलदार सीएम हेल्पलाइन की 50 दिवस से अधिक दिवस की लंबित शिकायतों का 50 प्रतिशत निराकरण करना सुनिश्चित करें। समस्त निर्माण विभाग उनके अधीनस्थ पुलियाओं के दोंनो तरफ स्पष्ट साइन बोर्ड लगवाए जाना सुनिश्चित करें।ई-केवायसी कैम्प के साथ 70 प्लस उम्र वाले लोगों की लिस्टिंग तैयार की जाये। कहीं भी जल भराव की समस्या न हो, इसके लिये समस्त चोक नाले-नालियों की सफाई करवाना,समस्त सीएमओ सुनिश्चित करें। लाइन ऑफीसर इस सप्ताह रविवार तक ई-ऑफिस कार्य कर लें। पुराने तालाब या नहर के आसपास कोई अतिक्रमण न हो। यह निर्देश कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार मुरैना में टाइम लिमिट की बैठक में अधिकारियों को दिये। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सीबी प्रसाद, नगर निगम आयुक्त, संयुक्त कलेक्टर, समस्त एसडीएम, जिला अधिकारी, सीएमओ, सीईओ, तहसीलदार उपस्थित थे। कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने आरसीएमएस पोर्टल की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान नामांतरण में पिछले सप्ताह सिंगल डिजिट में प्रोग्रेस करने वाले नायबतहसीलदार एवं तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि तहसीलों में जहाँ 100 से अधिक सीमांकन प्रकरण लंबित हों, वहां पर सीमांकन के लिए राजस्व दाल बनाकर इसी माह निराकरण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने समस्त एसडीएम, प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख और समस्त जनपद सीईओ को निर्देश दिये कि खसरा ई-केवायसी, खाद्यान पात्रता पर्ची ई-केवायसी, समग्र आईडी में ई-केवायसी के कैम्प प्रतिदिन लगाए जायें। जिसमे ग्राम सचिव, रोजगार सहायक अनिवार्य रूप से उपस्थिति रहेंगे। कलेक्टर ने आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए नाले, नालियों के सफाई कार्य की समीक्षा की। उन्होंने समस्त तहसीलदारों, आयुक्त नगर निगम और समस्त सीएमओ को बड़े नालों की सफाई कार्य कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अतिक्रमण हटवाने के लिये संबंधित तहसीलदारों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने विजयपुर से सेमई रोड़ निर्माण करने हेतु समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कार्यपालन यंत्री पीडब्लूडी ने बताया कि 15 मीटर की रोड़ बनाई जाना है। 10 दिन में भूमि सर्वे का कार्य पूर्ण करा लिया जायेगा, उसके बाद एसडीएम द्वारा भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही की जायेगी। ईको-सेन्सिटिव जोन बनाने हेतु वन विभाग के अधिकारियों की मीटिंग कराने के निर्देश प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख शाखा को दिए। ईको टूरिज्म मेप अगले सोमवार तक एसडीओ वन विभाग प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर ने समग्र आईडी में ई-केवायसी कार्य की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान सभी जनपद सीईओ को 10,000-10,000 का लक्ष्य दिया गया। आयुक्त नगर निगम को 10,000 का लक्ष्य दिया गया। सीएमओ जौरा को 1500 का लक्ष्य दिया गया। पिछले सप्ताह के लक्ष्य पूर्ण न होने के कारण सीएमओ सबलगढ का 03 दिन का वेतन काटने, सीएमओ झुण्डपुरा, कैलारस का 07-07 दिन का वेतन काटने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। सीएमओ कैलारस के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश एसडीएम सबलगढ को दिए। डुप्लीकेट समग्र आईडी का परीक्षण कर तत्काल डिलीट कराने के निर्देश समस्त जनपद सीईओ और सीएमओ को दिये। कलेक्टर ने छात्रवृत्ति सत्यापन कार्य की समीक्ष की। जिसमें पिछड़ा वर्ग कल्याण और अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण विभाग में लक्ष्य के अनुरूप कार्य न होने से प्राचार्य शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज मुरैना, प्राचार्य शासकीय कॉलेज जौरा, प्राचार्य, शासकीय कन्या महाविद्यालय मुरैना, प्राचार्य जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान मुरैना को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग की आयुष्मान योजना की समीक्षा की गई। मुरैना जिले की प्रदेश में 39वीं रैन्क है। 70 प्लस आयु के लोगों के आयुष्मान कार्ड बनवाने हेतु गांवो में लगाए जा रहे केम्पों में बनवाने के निर्देश सीएमएचओ को दिए गए। कलेक्टर द्वारा आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए समस्त निर्माण कार्यों के जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पुलिया, रपटा के दोनो तरफ चेतावनी के बोर्ड लगावें एवं आपदा प्रबंधन शाखा को जियोटेग फोटो सेन्ड करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल की समीक्षा की गई। मई माह की शिकायतों का 80 प्रतिशत और 50 दिवस की शिकायतों का 30 प्रतिशत निराकरण कराने के निर्देश समस्त विभाग प्रमुख एवं जिला अधिकारियों को दिए गए।

ग्राम रोजगार सहायको ने विभिन्न मांगो को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौपा

मुरैना,कांस। ग्राम रोजगार सहायको ने विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौपकर ग्रामीण सहायको पर अनैतिक तरीके से हो रही कार्यवाहियो को रोकने की मांग की है। कलेक्टर को सौपे गए ज्ञापन में रोजगार सहायको ने मांग की कि विगत 15 वर्षो से लम्बित मांगे जिसमें ग्राम रोजगार सहायको का पंचायत सहायक सचिव पद पर संविलियन कर पंचायत सचिवों की भांति जिला संवर्ग कर निश्चित ग्रेड पे प्रदान की जाए, दिवंगत रोजगार सहायको के परिजनो का अनुकम्पा नियुक्ति दी जाए, 25 अगस्त 2018 को सीएम हाउस में हुई महापंचायत में की गई घोषणा पर अमल किया जाए, वेतन मान एवं मानदेय राशि 30 तारीख तक प्रदान की जाए, पंचायत सचिवो की तरह वेतन भत्ता आदि दिया जाए, मनरेगा मांग आधारित योजना है इसे लक्ष्य आधारित मानकर केवल रोजगार सहायक को टारगेट कर मानसिक रूप से प्रताडित किया जा रहा है उसे बंद किया जाए, पंचायतो में रिक्त रोजगार सहायक की भर्ती हेतु जिला स्तर पर रोस्टर तैयार किया जाए तथा पंचायत सचिवो की तरह जिला स्तर पर नवीन भर्ती की जाए, महिला ग्राम रोजगार सहायको कस विवाह पश्चाद अथवा विधवा, तलाकशुद होने की स्थिति में उनका स्थानांतरण ऐसे जिले में अंतरजिला परिवर्तन किया जाए। ज्ञापन देने वालो में जिलाध्यक्ष उपेन्द्र सिंह तोमर के साथ अनेक ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित थे।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत मुरैना जिले में चयनित 18 ग्रामों में 15 से 30 जून तक लगेंगे शिविर

मुरैना,कांस। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत मुरैना जिले में चयनित 18 ग्रामों में आगामी 15 से 30 जून तक शिविर लगाये जायेगें। इसका उद्देश्य विभिन्न विभागों की महत्वाकांक्षी योजनाओं से शत-प्रतिशत लक्षित हितग्राहियों को लाभान्वित करना है। इनमें ऊर्जा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, खाद्य आपूर्ति, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, आयुष, विज्ञान एवं प्राद्योगिकी, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास, कृषि एवं किसान कल्याण और मत्स्य तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग सहित अन्य विभागों, मंत्रालयों की 25 योजनाओं की गतिविधियों का शत-प्रतिशत सेच्युरेशन किया जायेगा। इसमें प्रमुख रूप प्रधानमंत्री सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास, जल जीवन मिशन, गृह विद्युतीकरण, मोबाइल मेडीकल इकाई, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र, समग्र आई.डी., प्रधानमंत्री उज्जवला गैस कनेक्शन, आधार कार्ड, राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री जन-धन खाता, मातृ एवं शिशु कल्याण के लिए टीकाकरण जैसे लाभ शामिल है। आदिम जाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक ने बताया कि इस अभियान में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये समन्वय कर कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र एवं समग्र ई-केवाईसी आदि की सेवायें प्रदान की जायेगी, इसके अतिरिक्त विभागीय समन्वय और आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय स्वयं सेवकों की मदद से लाभार्थियों की पहचान कर वंचित वर्ग का चिन्हाकंन किया जायेगा एवं शिविर माध्यम से लाभ प्रदान किया जायेगा।

02 जून से मुरैना जिले में स्वस्थ यकृत (लीवर) मिशन की शुरूआत

मुरैना,कांस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय के मार्गदर्शन में 02 जून से मुरैना जिले में स्वस्थ यकृत (लीवर) मिशन की शुरूआत हो गई है। स्वस्थ यकृत (लीवर) निशन की शुरूआत जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओ पर नॉन-अल्कोहल फेटी लीवर डिसीज के मरीजों की पहछान के लिये यह अभियान चलाया जा रहा है। आज हमारे देश में हर तीन वयस्को में से एक फैटी लीवर से व्यक्ति पीड़ित है। मोटापा, मधुमेह एवं ज्यादातर बेठे रहने के कारण यह डिसीज हो जाती है। अब इस मिशन का उद्देश्य है कि 30 से 35 वर्ष आयु के लाभार्थियों में यकृत संबधी जोखिम की शीघ्र पहचान, लाइन लीस्टिंग परामर्श उचित रेफरल सुनिश्चित करना है। अभियान के दौरान सीएचओ, एएनएम, आशा द्वारा घर-घर जाकर स्क्रीनिंग करना एवं सभी उप स्वास्थ्य केन्द्र एवं पीएचसी एवं सिविल अस्पताल और जिला चिकित्सालय में उपचार हेतु आने वाले 30 से 35 वर्ष के बच्चो की स्क्रीनिंग की जायेगी। यदि जोखिम वर्ग में आते है तो उन्हे रेफर किया जायेगा। लोगो की स्क्रीनिंग में जेसे पुरुषों में 90 सेंटी मीटर अधिक कमर का माप और महिलाओ में 80 सेंटी मीटर अधिक कमर का माप, 23 या उसके अधिक बीएमआई वाले चिन्हित व्यक्तियां की जॉच एवं टेस्ट कराया जायेगा और मरीजां की स्क्रीनिंग के बाद उपचार किया जायेगा।

अ.भा. विद्यार्थी परिषद ने एल एल एम के कोर्स को शुरू करने ज्ञापन सौपा

मुरैना,कांस। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मुरैना द्वारा शासकीय विधी महाविद्यालय मुरैना में LLM के कोर्स को शुरू करने के लिए अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा के नाम से विधि महाविद्यालय प्राचार्य को ज्ञापन दिया जिसमें विधि के विद्यार्थियों को मुरैना में ही स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त हो सके, साथ ही सत्यादित्य तोमर ने कहा की वर्तमान में शासकीय विधी महाविद्यालय मुरैना में उच्चतर शिक्षा की उपलब्धता न होने के कारण विधि के छात्रों को स्नाकोत्तर की शिक्षा के लिए बाहर जाना पड़ता है, जिससे अधिकतम विद्यार्थी उच्चतर कोर्स करने से वंचित रह जाते हैं जो की दुर्भाग्यपूर्ण है मुरैना जिले में विधि महाविद्यालय स्थापित है चंबल संभाग में एक भी विधि महाविद्यालय में उच्चतर शिक्षा LLM उपलब्ध नहीं है जबकि मुरैना में कुछ वर्ष पूर्वी विधि महाविद्यालय का नवीन भवन बना है जिसमें पूर्ण सुविधाएं हैं, विधि के छात्रों को उचित शिक्षा के लिए मजबूरन बाहर जाना पड़ता है और कुछ विद्यार्थी बाहर जाने में असमर्थ होते हैं जिससे वह उच्चतर शिक्षा से वंचित रह जाता है साथ ही अब आप मुरैना ने कहा कि छात्रा के सर्वांगीण विकास के लिए स्नाकोत्तर का पाठ्यक्रम प्रारंभ होना अति आवश्यक है जिससे मुरैना जिले के समस्त विधि के छात्रों को लाभ मिलेगा।

साथ ही विधि महाविद्यालय नए मुकाम हासिल करेगा। विद्यार्थी परिषद हमेशा छात्र हित के लिए कार्य करता है।प्रतिनिधि मंडल से सचिन शर्मा अजय तोमर कपिल भारद्वाज सचिन तिवारी श्रीराम उपाध्याय आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

22 पेटी अवैध शराब पकडी

मुरैना। देवगढ थाना पुलिस ने क्षेत्र में बिक रही अवैध शराब को जप्त कर मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना पुलिस को सूचना मिली कि तिलावली में अवैध शराब का कारोबार चल रहा है। इस सूचना पर से पुलिस ने दविश देकर आरोपी शत्रुघन सिकरवार पुत्र भवर सिंह के घर के कमरे से जिसमें भूरा भरा हुआ था से 22 पेटी देशी मदिरा मशाला जप्त कर आरोपी के खिलाफआर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है।

शासकीय आईटीआई सबलगढ़ में प्रवेश के लिये इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन 16 जून तक करें आवेदन, प्रवेश के लिये रजिस्ट्रेशन एवं चॉइस फिलिंग करवाना अनिवार्य

मुरैना,कांस। शासकीय आईटीआई सबलगढ़ में प्रवेश के लिये इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन 01 मई से 16 जून, 2025 तक आवेदन कर सकते है। शासकीय आईटीआई सबलगढ़ में प्रवेश के लिये 222.स्रह्यस्र.द्बश्च.द्बठ्ठ पोर्टल के माध्यम से रजिस्ट्रेशन एवं चॉइस फिलिंग करवाना अनिवार्य है। शासकीय आईटीआई सबलगढ़ के प्राचार्य श्री संजीव केमोर ने बताया कि प्रशिक्षणार्थी वर्तमान में शासकीय आईटीआई सबलगढ़ में संचालित 06 व्यवसायों (ट्रेडस) इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वुड वर्क टेक्निशियन (कारपेंटर), स्टेनो हिन्दी, वेल्डर एवं मैकेनिक डीजल में रिक्त सीटों पर प्रवेश ले सकते है। पूर्व वर्षो में शासकीय आईटीआई सबलगढ़ से सैकड़ों छात्र-छात्राओं का चयन रेलवे, विद्युत मंडल, एयरफोर्स, नेवी, आर्मी, जेल, पुलिस, बीएचईएल, डीआरडीओ, एनटीपीसी, ऑर्डिनेन्स फैक्ट्री, अग्निवीर, एनडीए एवं प्रायवेट सेक्टर में हुये है। प्रवेश संबंधी अधिक जानकारी के लिये कार्यालयीन में आईटीआई में दूरभाष नंबर 9425948473, 8458996004 एवं 7879272857 पर संपर्क किया जा सकता है।

अवैध हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

मुरैना,कांस। जौरा थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर से अवैध कट्टा 315 बोर का मय राउण्ड लिए किसी वारदात की नियत से रामजानकी मंदिर के पीछे नरूआ के पास घूम रहे आरोपी मोनू उर्फनीलेश पुत्र सुरेश शर्मा निवासी बघौराकलां को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध हथियार गिरफ्तार कर आरोपी के खिलाफआर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है।

रक्तदान का महत्व हमें तब समझ में आता है जब हमारा कोई जिंदगी मौत से जुझ रहा हो : रुद्रप्रताप सिंह

गौसांसद रुद्रप्रताप सिंह ने 10 वीं बार रक्तदान कर मनाया जन्मदिवस

मुरैना,कांस। गौसांसद रुद्रप्रताप सिंह ने अपने 24 वे जन्मदिवस पर जिला चिकित्सालय में अपने साथियों के साथ 10वीं बार रक्तदान किया उनके साथ राहुल राठौर ने भी पहली बार, कमल किशोर ने 5 वीं बार रक्तदान किया व युवाओं को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया रुद्रप्रताप सिंह ने कहा कि रक्तदान का महत्व हमें तब समझ में आता है जब हमारा कोई जिंदगी मौत से जुझ रहा हो हमें 4 से 5 महीने के बाद रक्तदान करते रहना चाहिए और कम से कम अपने जन्मदिवस पर तो रक्तदान करना और मित्रों से भी रक्तदान करवाना चाहिए । रक्तदान केवल दान नहीं है यह जीवन बचाने का एक पुनीत कार्य है रक्तदान से शरीर में आयरन की मात्रा कम होती है, जो दिल के दौरे और स्ट्रोक के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ 5 जून से

मुरैना,कांस। श्री गंगा दशहर के पावन पर्व पर नव दिवसीय दिव्य एवं भव्य संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान का आयोजन 5 से 13 जून तक श्रीश्री 1008 श्री अर्जुन बाबा मंदिर प्रागंण ग्राम डोंगरपुर किरार में होने जा रहा है। भागवत कथा में कथा व्यास पं. श्री सतीशचन्द्र पाराशर जी श्रीधाम वृन्दावन वाले अपनी अमृतमयी वाणी से रसपान करायेगें। 5 जून को कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का प्रारंभ होगा, 6 जून को परीक्षत जन्म,श्रीशुकेदव जन्म, महाभारत कथा व शुकदेव पूजन,7 जून को विदुर चरित्र,8 जून को अजामिल उपाख्यान प्रहलाद चरित्र गजेन्द्र मोक्ष वामन अवतार,सोमवार 9जून को श्रीराम जन्म,श्रीराम कथा कृष्ण जन्म,नन्दोत्सव, 10 जून को पूतना बध,बाल लीला माखनचारी आदि,11जून को महारास लीला व्रज त्याग, कंस बध, द्वारिक गमन, रूक्मिणी विवाह महोत्सव, 12 जून को द्वारका की लीला 16108 विवाहो का वर्णन पाण्डवों का यज्ञ, 13 जून शुक्रवार को श्री सुदामा चरित्र श्री व्यास पूजन,शुकदेव पूजन एवं 14 जून शनिवार को पूर्णाहुति एवं भण्डारे का आयोजन किया जायेगा। डोंगरपुर किरार के ग्रामीणो ने सभी धर्मप्रेमियो से अपील की है कि नव दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में अधिक से अधिक की संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त करें।

श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन श्रीकृष्ण-रुक्मणि विवाह हुआ, ठाकुर बाबा पुरानी रीझौनी में चल रही श्रीमद भागवत कथा

कैलारस। क्षेत्र के रीझौनी गांव में ठाकुर बाबा छत्री वाले सोन नदी के पास पिछले 6 दिनों से चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का हुआ। कथावाचक आचार्य रोहित कृष्ण शास्त्री जी ने पंच अध्याय का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि महारास में पांच अध्याय हैं। उनमें गाये जाने वाले पंच गीत, भागवत के पंच प्राण हैं, जो भी ठाकुरजी के इन पांच गीतों को भाव से गाता है। वह भव पार हो जाता है। उसे वृंदावन की भक्ति सहज प्राप्त हो जाती हैं। महाराज ने कथा में भगवान का मथुरा प्रस्थान, कंस वध, महर्षि संदीपनी के आश्रम में विद्या ग्रहण करना, उद्धव-गोपी संवाद, द्वारका की स्थापना, रुक्मणी विवाह के प्रसंग का संगीतमय भावपूर्ण पाठ किया। आस्था और विश्वास के साथ भगवत प्राप्ति आवश्यक हैं। भगवत प्राप्ति के लिए निश्चय और परिश्रम भी जरूरी हैं। भगवान श्रीकृष्ण रुक्मणी के विवाह की झांकी ने सभी को खूब आनंदित किया। कथा के दौरान भक्तिमय संगीत ने श्रोताओं को आनंद से परिपूर्ण किया। उन्होंने कहा कि जो भक्त प्रेमी कृष्ण रुक्मणी के विवाह उत्सव में शामिल होते हैं उनकी वैवाहिक समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है। कथावाचक ने भागवत कथा के महत्व को बताते हुए कहा कि जो भक्त प्रेमी कृष्ण-रुक्मणी के विवाह उत्सव में शामिल होते हैं उनकी वैवाहिक समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाती हैं। कथा वाचक ने कहा कि जीव परमात्मा का अंश हैं। वही परीक्षत लालदास महाराज ने 4 तारीक के भण्डारे के लिए सभी क्षेत्र वासियों अपील की ,भण्डारे में आकर कार्यक्रम को सफल बनाये , इस अवसर पर बडगांव ठिकाना ,कुरौंली रीझौनी सहित अन्य गांव के श्रोतागण उपस्थित रहे।

सडक हादसे में युवक की मौत

मुरैना 2 जून। दिमनी थाना क्षेत्र में सडक हादसे में घायल हुए एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वनिया केवट पुत्र कल्याण सिंह केवट सडक हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिसकी उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया है।

एडीजी डी.सी. सागर बने विशेष पुलिस महानिदेशक

मुरैना,कांस। मध्यप्रदेश शासन ने 1992 बैंच के आईपीएस अधिकारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री डी.सी. सागर को पदोन्नत करते हुए विशेष पुलिस महानिदेशक शिकायत तथा मानव अधिकार पुलिस मुख्यालय भोपाल बनाया गया है।

पोहरी किले में 100 वर्षों से रह रहे 400 परिवार आज भी पट्टे से वंचित

अब कैसे लें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ

शिवपुरी ब्यूरो। नगर परिषद पोहरी क्षेत्र के किले के भीतर रहने वाले करीब 400 परिवार अब भी जमीन के पट्टे से वंचित हैं। दशकों से यहां रह रहे इन लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। रहवासी खालिद खान ने बताया कि उनका परिवार करीब 100 वर्षों से यहीं रह रहा है। किले के भीतर ऐसे सैकड़ों परिवार हैं जो पीढ़ियों से इसी जमीन पर बसे हैं, लेकिन किसी को भी अब तक जमीन का पट्टा नहीं मिला। रहवासियों का कहना है कि बिना पट्टे के उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा। कई परिवार कच्चे मकानों में रह रहे हैं और हर साल बारिश में परेशानी झेलते हैं। खालिद खान ने बताया कि उन्होंने नगर परिषद पोहरी और एसडीएम को कई बार आवेदन दिए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब सभी रहवासी कलेक्टर कार्यालय पहुंचे हैं और जमीन का पट्टा देने की मांग की है। रहवासियों की मांग है कि शासन उन्हें जल्द से जल्द पट्टा उपलब्ध कराए, ताकि वे भी सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर पक्के और सुरक्षित मकान बना सकें। उनका कहना है कि जब वे वर्षों से यहां रह रहे हैं तो जमीन पर उनका अधिकार है।

सबलगढ़ में बना खाटूश्याम मंदिर,निकली निशान यात्रा

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

सबलगढ़।सबलगढ़ में गायत्री कॉलोनी में खाटू श्याम भक्त मण्डल द्वारा खाटूश्याम जी का विशाल मंदिर निर्माण कराया गया है जिसमें भगवान श्याम बाबा की मूर्ति की स्थापना की गई है।इस मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम के तहत सोमवार को कैलामाता मंदिर से गायत्री कॉलोनी तक विशाल निशान व कलश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से निकाली गई।जिसमें बड़ी संख्या में श्याम भक्त नर नारी शामिल हुए।मंदिर पर प्राणप्रतिष्ठा का विधिविधान से कार्यक्रम शुरू हुआ।

1857 की क्रांति की मशाल जलाने वाले सतपुड़ा के पराक्रमी सपूत भभूत सिंह

के अमर बलिदान और शौर्य को समर्पित उनकी कर्मस्थली में

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

3 जून, 2025 । अपराह्न 2:00 बजे । राजभवन, पचमढ़ी

"पचमढ़ी नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध और प्रदेश का सर्वाधिक आकर्षक पहाड़ी पर्यटन स्थल होने के साथ अतीत में आदिवासी समाज के बलिदान की दृष्टि से एक प्रमुख स्थल रहा है। तात्या टोपे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर राजा भभूत सिंह ने आज़ादी की जंग में वीरता का प्रदर्शन किया। भभूत सिंह में शिवाजी महाराज की छवि दिखायी देती थी। उनके बलिदान को स्मरण करते हुए पचमढ़ी में मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक का आयोजन राजा भभूत सिंह के गौरवशाली योगदान को जनमानस के समक्ष लाने का प्रयास है।"

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जनजातीय संस्कृति के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध मध्यप्रदेश

- प्रदेश के 89 जनजातीय बहुल विकासखंडों में पेसा नियम लागू
- जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए धरती-आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से जनजातीय समुदाय के सामाजिक, आर्थिक उत्थान एवं मूलभूत सुविधाओं के विकास को मिल रही है गति
- जनजातीय बहुल दूरस्थ क्षेत्रों के 21 जिलों में पीएम जन-मन योजना अंतर्गत 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित
- मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना से सीधे जनजातीय ग्रामों तक पहुंच रहा राशन। स्थानीय जनजातीय युवाओं को मिल रहा रोज़गार
- विशेष पिछड़ी जनजाति युवाओं को सेना, अर्द्ध-सैनिक बलों और पुलिस सेवाओं में भर्ती के लिए प्रशिक्षण हेतु जनजातीय बटालियन का गठन
- तेंदूपत्ता संग्रहण का पारिश्रमिक ₹ 3000 से बढ़ाकर ₹ 4000 प्रति बोरा किया गया
- शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, 82 आवासीय कन्या परिसर एवं 8 आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित

D-11036/25

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP
आरओ क्र. म.प्र. माध्यम/2025
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी